पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

'द इंडिया स्टोरी' के जरिए सोलो हीरो में वापसी

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 43 ■ अंक : 80 ■ गुरुवार, 5 जून 2025 3 रुपए ■ पृष्ठ 4
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566
@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
epaper.ulhasvikas.com

कल्याण-डोंबिवली में कोरोना से तीसरी मौत

■ बढ़ती जा रही कोरोना मरीजों की संख्या

■ अब तक 13 मरीज मिल चुके

कल्याण. कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका सीमा में कोरोना मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है. वहीं तीसरे मरीज की कोरोना से मौत हो गई है। मनपा प्रशासन ने इसकी जानकारी दी है।

महानगर पालिका क्षेत्र में अब तक 13 मरीज मिल चुके हैं, एक मरीज का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है, जबकि दो मरीज होम आइसोलेशन में हैं और उनकी हालत स्थिर है। 7 लोगों का इलाज कर उन्हें घर भेज दिया गया है। अब तक 3 मरीजों की मौत हो चुकी है।

डोंबिवली के 77 वर्षीय व्यक्ति को 28 मई को इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मरीज का आरटीपीसीआर टेस्ट 29 मई को किया गया और 30 मई को रिपोर्ट पॉजिटिव आई। संबंधित व्यक्ति को कैंसर जैसी बीमारी भी थी।

4 जून की सुबह इलाज के दौरान एक निजी अस्पताल में उनकी मृत्यु हो गई। चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दीपा शुक्ला ने बताया कि इस व्यक्ति ने कोविड वैक्सीन ली थी।

उल्हासनगर में डंपिंग ग्राउंड ओवरफ्लो

■ उल्हासनगर में कचरे की समस्या बरकरार

■ शहर में कूड़े का अंबार

■ नागरिकों का स्वास्थ्य खतरे में

उल्हासनगर. खुद को 'जीरो वेस्ट सिटी' घोषित करने वाली उल्हासनगर महानगर पालिका की वास्तविक तस्वीर बेहद विरोधाभासी और चौंकाने वाली है। खाड़ी मशीन डंपिंग ग्राउंड अब क्षमता से अधिक भर जाने के कारण कचरे से भर गया है, जबकि नागरिक पूरे शहर में जमा हो रही बदबू, गंदगी और कचरे के ढेर से परेशान हैं। लाखों रुपए के विज्ञापन, करोड़ों रुपए के कचरा प्रबंधन ठेके, और फिर भी सड़कों पर कूड़े का ढेर... यह विरोधाभास अब जनता के सामने आने लगा है।

उल्हासनगर के खाड़ी मशीन इलाके में स्थित डंपिंग ग्राउंड में इस समय इतनी अधिक मात्रा में कचरा जमा हो गया है कि वहां वाहन का पहुंचना भी मुश्किल हो गया है। ठेकेदार, कोणार्क एनवायरनमेंट कंपनी, डंपिंग साइट का काम बहुत धीमी गति से कर रही है। प्रतिदिन उत्पन्न होने वाले लगभग 400 मीट्रिक टन कचरे का निपटान नहीं किया जाता है। इसलिए शहर में जगह-जगह कूड़े के ढेर लग रहे हैं।

'जीरो वेस्ट सिटी' का नारा हुआ हवा-हवाई

यद्यपि पूरे शहर में 'स्वच्छ उल्हासनगर, सुंदर उल्हासनगर' के नारे होर्डिंग पर लगे हैं, लेकिन हकीकत में सड़कें और गलियां कचरे से भरी हैं। यह दृश्य देखकर नागरिक पूछने लगे हैं कि क्या शहर को स्वच्छता का मुखौटा पहनाकर असली तस्वीर छिपाई जा रही है?

उल्हासनगर शहर में कैंप 4 और 5 कचरा हॉटस्पॉट बनते जा रहे हैं, जहां सड़कों के किनारे कचरे के ढेर लगे हुए हैं। नागरिक दुर्गंध, मच्छरों के प्रकोप और खराब सफाई व्यवस्था से चिंतित हैं। कुछ स्थानों पर तो सड़क पर पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। तीन कारणों से स्थिति और खराब हो गई है: घंटी गाड़ियों का समय पर न पहुंचना, नियमित संग्रहण का अभाव, तथा निपटान का अभाव।

सामाजिक कार्यकर्ताओं ने की जांच की मांग

कई सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय निवासियों ने इस स्थिति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए ठेकेदार कंपनी और प्रशासन की जांच की मांग की है। एक आक्रोशपूर्ण भावना यह व्यक्त की जा रही है कि, यदि करोड़ों रुपए खर्च करने के बावजूद शहर गंदगी में डूबा हुआ है, तो जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए।

करोड़ों का अनुबंध और शून्य परिणाम?

मनपा ने 'शून्य अपशिष्ट' अवधारणा को लागू करने के लिए कोणार्क की एक कंपनी को करोड़ों रुपए का ठेका दिया है। हालाँकि, इस अनुबंध की दक्षता पर सवाल उठाया गया है। कचरा प्रबंधन में विफल होने के बावजूद नगर निगम प्रशासन चुप क्यों है? नागरिक यह सवाल उठा रहे हैं।

कल्याण पूर्व में बढ़ रहे अपराध

■ 44 लोगों को पुलिस ने पकड़ा

कल्याण. पिछले कुछ दिनों में नशेड़ियों और गांजा के नशेड़ियों के बढ़ते उत्पात के कारण अपराध चरम पर पहुंच गया है। झुग्गी-झोपड़ियों और झुग्गी-झोपड़ी जैसे इलाकों में अपनी गतिविधियों के लिए बदनाम हो रहा कल्याण पूर्व, नशे के सौदागरों का अड्डा बनता जा रहा है। नशे के लिए वाहन चोरी और नागरिकों से लूटपाट जैसे अपराधों में भी वृद्धि हुई। इस पृष्ठभूमि में, कोलसेवाड़ी पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक गणेश न्हायदे के मार्गदर्शन में 44 आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों को गिरफ्तार किया गया तथा पुलिस कार्रवाई का भय दिखाते हुए विभिन्न धाराओं के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। पिछले सप्ताह एक दुकानदार ने हफ्ता मांगने वाले युवकों की पुलिस में शिकायत की तो उसके घर में तोड़फोड़ की गई थी.

उल्हासनगर के लिए मनपा की हरित क्रांति!

■ 'पेड़ लगाओ, पर्यावरण बचाओ'

■ हरित क्रांति के लिए मनपा की पहल

उल्हासनगर. पेड़ लगाओ, जीवन बचाओ! इस प्रेरणादायक विचार को अमल में लाते हुए, उल्हासनगर मनपा पर्यावरण दिवस के अवसर पर पूरे शहर में हरित क्रांति की शुरुआत कर रहा है। बढ़ते वायु प्रदूषण को देखते हुए शहर में अधिक हरियाली पैदा करना समय की मांग बन गई है। इसे ध्यान में रखते हुए मनपा प्रशासन ने शहर में विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया है।

पेड़ दान करने की अपील

इस अभियान के तहत सार्वजनिक स्थानों, मुख्य सड़कों के दोनों ओर, पार्कों और स्कूल परिसरों में फूलदार पौधे लगाए जाएंगे। चूंकि इन वृक्षों के लिए आवश्यक पौधे मनपा से उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं, इसलिए मनपा ने पर्यावरण हितैषी नागरिकों, सामाजिक संगठनों, व्यापारियों, उद्यमियों और स्वयंसेवी संगठनों से वृक्ष दान करने की अपील की है। इन पौधों को मनपा के मार्गदर्शन में उचित स्थानों पर लगाया जाएगा तथा इनका रखरखाव भी प्रशासन द्वारा किया जाएगा। महानगरपालिका यह सुनिश्चित करने पर विशेष जोर देगी कि दान किए गए पेड़ कम से कम 3 से 5 फीट ऊंचे हों तथा उनकी प्रजातियां स्थानीय जलवायु के अनुकूल हों।

इस पहल में भाग लेने के इच्छुक नागरिकों या संगठनों से विभाग प्रमुख दत्तात्रय जाधव से संपर्क करने का आग्रह किया गया है। इस पहल के बारे में जानकारी देते हुए सहायक आयुक्त (पर्यावरण) अजय साबले ने कहा, 'हरित शहर सिर्फ एक सपना नहीं बल्कि एक वास्तविकता है जिसे सभी के योगदान से साकार किया जा सकता है। अगर एक व्यक्ति भी एक पेड़ लगाए तो वह शहर की तस्वीर बदल सकता है। पर्यावरण की रक्षा करना हमारा नैतिक कर्तव्य है।

प्रकृति और पर्यावरण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी

प्रकृति और पर्यावरण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है और प्रत्येक नागरिक को उल्हासनगर को हरा-भरा और स्वस्थ शहर बनाने की पहल करनी चाहिए। 'उम्मीद है कि पर्यावरण दिवस महज एक प्रतीकात्मक आयोजन न होकर कार्रवाई का दिन होना चाहिए। एक पेड़ एक जीवन बचाने का अवसर है! पेड़ लगाएं, पेड़ दान करें और भावी पीढ़ियों के लिए हरित विरासत को संरक्षित करें। इस महानगरपालिका अभियान में भाग लेने का अर्थ है स्वच्छ, सुंदर और टिकाऊ उल्हासनगर बनाने की दिशा में एक कदम उठाना।

-मनीषा आव्हाले, आयुक्त, उल्हासनगर महानगरपालिका

दुर्गाडी किले की सुरक्षा दीवार ढही

कल्याण. भारी बारिश के दौरान शिवकालीन दुर्गाडी किले की सुरक्षा दीवार बुधवार दोपहर अचानक ढह गयी. इस दुर्घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है. दुर्घटना के लिए शिवसेना विधायक विश्वनाथ भोईर एवं शिवसेना (यूबीटी) के जिला अध्यक्ष विजय सालवी ने ठेकेदार एवं प्रशासन पर आरोप लगाया है. दोनों नेताओं का कहना है कि मरम्मत कार्य में घटिया स्तर की सामग्री इस्तेमाल किये जाने की वजह से दुर्घटना हुई है. ऐतिहासिक दुर्गाडी किले की सुरक्षा दीवार के रखरखाव एवं मरम्मत का काम सार्वजनिक निर्माण विभाग की देखरेख में किया जा रहा है. काम के दौरान बुधवार दोपहर बारिश शुरू होने के साथ ही किले के बुर्ज से सुरक्षा दीवार गिर गई. यह अच्छी बात रही कि कोई जनहानि नहीं हुई दुर्घटना के समय क्षेत्र में कोई नहीं था.

मनपा ने पंजाबी कालोनी चौक में नाले पर बनी 3 दुकानें तोड़ीं

■ दुकानदारों का जोरदार विरोध प्रदर्शन

उल्हासनगर. उल्हासनगर में पंजाबी कॉलोनी के पास सड़क चौड़ीकरण कार्य के तहत मंगलवार सुबह मनपा प्रशासन ने नाले पर अवैध रूप से बनी तीन दुकानों पर बुलडोजर चलाकर उन्हें ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान संबंधित दुकानदारों के परिजनों ने कड़ा विरोध जताया और हंगामा किया। हालाँकि, मनपा के अधिकारियों ने किसी भी विरोध की परवाह किए बिना नियोजित कार्य पूरा किया।

उल्हासनगर कैंप 2 में एटीपी स्कूल से क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल तक सड़क को चौड़ा करने और कंक्रीटिंग का काम पिछले एक साल से धीमी गति से चल रहा है। दिलचस्प बात यह है कि अस्पताल से शुरू हुआ काम पंजाबी कॉलोनी चौक पर आकर रुक गया है।

ठेकेदार नाली का निर्माण नहीं कर पाया, क्योंकि सड़क के बाईं ओर नाली पर तीन दुकानें बनी हुई थीं, जिसके कारण सड़क का काम रुका हुआ था।

एनसीपी शरद पवार गुट के पदाधिकारी येशु जैकब ने तीन महीने पहले यह मुद्दा उठाया था और मनपा आयुक्त से मुलाकात की थी। हालांकि दुकानदारों को राजनीतिक समर्थन प्राप्त होने के कारण प्रशासन चुप रहा। पिछले पंद्रह दिनों से जारी बारिश के कारण पंजाबी कॉलोनी में नाला ओवरफ्लो हो गया था और उसका पानी सड़क पर बहने लगा था। इसलिए इस सड़क का काम अंततः पूरा करने के लिए मनपा प्रशासन ने नाले पर बने अनाधिकृत ढांचों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की। प्रभाग क्रमांक 2 के सहायक आयुक्त मनीष हिवरे ने बताया कि ये तीनों निर्माण गटर पर अवैध रूप से किए गए थे.

उल्हासनगर 2 स्थित खेमानी परिसर में कैनेरा बैंक के पास एक वर्षों पुराना पेड़ पास में खड़ी रिक्शा पर जा रहा। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है लेकिन लाईट पोल पर गिरने से परिसर की लाईट बंद हो गई। मंगलवार रात को उल्हासनगर-4 लाल चक्की परिसर में भी इसी तरह का हादसा हुआ जहां वर्षों पुराना पेड़ रिक्शा पर जा गिरा उसमें भी कोई हताहत नहीं हुआ है।

'धन्यवाद, आपकी वजह से मुझे जीने का सहारा मिला'

बुजुर्ग दम्पति ने उप विभागीय अधिकारी विजयानंद शर्मा का व्यक्ति किया आभार

उल्हासनगर. बुजुर्ग माता-पिता, जिन्होंने अपने बच्चों के पालन-पोषण, उन्हें शिक्षा देने और उनके भविष्य को आकार देने के लिए जीवन भर कड़ी मेहनत की है, बाद में उनके बच्चों द्वारा बहिष्कृत कर दिए जाते हैं, तो यह सवाल और भी दर्दनाक हो जाता है। ऐसे ही एक बुजुर्ग दंपत्ति ने जब न्याय की उम्मीद छोड़ दी थी, तब उन्हें उल्हासनगर के उप-विभागीय अधिकारी विजयानंद शर्मा के रूप में सहारा मिला! जब न्याय के सारे दरवाजे बंद हो गए थे, तब इस अधिकारी ने न केवल कानून का बल्कि मानवता का भी दरवाजा खोल दिया।

माता-पिता को घर से बाहर निकालना न केवल पारिवारिक विफलता है, बल्कि यह हमारे समाज की संवेदनशीलता की कठोर आलोचना है। ऐसे मामलों में प्रशासन का काम सिर्फ कानून लागू करना नहीं है, बल्कि मानवता की दीवारें तोड़कर लोगों तक पहुंचना है। मैंने उन बुजुर्गों का दर्द एक अधिकारी के तौर पर नहीं, बल्कि एक बेटे के तौर पर समझा। यदि मेरे किसी निर्णय से उन्हें दोबारा जीने का आत्मविश्वास मिला है, तो यह मेरी सेवा का सबसे बड़ा पुरस्कार है। आशा है कि समाज भी इस जिम्मेदारी को समझेगा और माता-पिता का सम्मान करेगा!

-विजयानंद शर्मा, उपविभागीय अधिकारी, उल्हासनगर

कांपते हाथों, अश्रुपूरित आंखों और हृदय में कृतज्ञता के सैलाब के साथ बुजुर्ग दम्पति एक-एक करके सीढ़ियां चढ़कर उप-विभागीय अधिकारी विजयानंद शर्मा के कार्यालय पहुंचे। उनके पास कोई आवेदन नहीं था, कोई शिकायत नहीं थी, कोई मांग नहीं थी। वह सिर्फ एक शब्द कहने के लिए आये थे, 'धन्यवाद, सर।' आपकी वजह से मुझे मेरा सही घर मिला और फिर से जीने के लिए सहारा मिला!'

एक परेशान वृद्ध के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए कानून का समुचित उपयोग करने वाले विजयानंद शर्मा का यह सफर आज की व्यवस्था के लिए एक आदर्श उदाहरण है। यह एक सामाजिक आंदोलन है, जो वकीलों की अदालत में नहीं, बल्कि मानवता की अदालत में न्याय मांगता है। यही कारण है कि इस अधिकारी के साहसिक निर्णय से अनेक बुजुर्गों को न केवल न्याय मिला है, बल्कि सम्मानपूर्वक जीने का अधिकार भी दिलाया है।

विदेश में नौकरी का वादा कर 30 लाख रुपये ठगे

■ पर्यटन कंपनी के कर्मचारियों ने 150 कारीगरों को ठगा

कल्याण. कल्याण पश्चिम रेलवे स्टेशन के पास एक होटल के सामने स्थित एक ट्रांसपोर्ट और पर्यटन कंपनी के तीन कर्मचारियों और अन्य साथियों ने उल्हासनगर के कारीगरों को विदेश में उच्च वेतन वाली नौकरी का लालच देकर कुल 30 लाख 46 हजार रुपये की ठगी की है। करीब 150 कारीगरों का पैसा जमा होने के बाद उन्हें काम के लिए विदेश नहीं भेजा गया, बल्कि पर्यटन कंपनी के कर्मचारी कार्यालय में ताला लगाकर भाग गए।

इस धोखाधड़ी के संबंध में बाजारपेठ पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। यह घटना पिछले दो महीनों में पर्यटन कंपनी के कार्यालय में घटित हुई है। इस मामले में शिकायतकर्ता उल्हासनगर के रमाबाई अंबेडकर नगर इलाके में रहता है। शिकायतकर्ता का नाम भानुप्रताप शिवशंकर विश्वकर्मा (33) है। इस मामले में अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

ठगे गए भानुप्रताप विश्वकर्मा द्वारा थाने में व प्रतिनिधि को दी गई जानकारी में बताया गया कि स्काई सीकर्स ट्रैवल्स एंड टूरिज्म कंपनी गुरुदेव व जय मल्हार होटल के सामने लक्ष्मी सोसायटी की दूसरी मंजिल पर स्थित है। मोहम्मद आसिफ, जहीर और रमाकांत तथा उनके अन्य साथी इस कंपनी में कर्मचारी के रूप में काम करते थे।

विश्वकर्मा ने बताया कि इन कंपनी कर्मचारियों ने हम जैसे करीब 150 कारीगरों और बेरोजगार लोगों से 35,000 रुपये से लेकर 80,000 रुपये तक की रकम ऐंठ ली। ट्रैवल कंपनी ने विदेश यात्रा की तारीख तय कर दी थी। वह तारीख बीत चुकी है. जब हम स्काई सीकर्स कार्यालय गए तो वहां ताला लगा हुआ था। संपर्क करने पर भी कर्मचारी कोई जवाब नहीं दे रहे थे। विश्वकर्मा ने कहा कि इन कर्मचारियों के खिलाफ बाजारपेट पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है. पुलिस इंस्पेक्टर लक्ष्मण साबले मामले की जांच कर रहे हैं।

लता भगतानी विष्णानी को मिला अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार

■ 'वर्ल्ड रिकॉर्ड ऑफ़ एक्सीलेंस आइकॉन 2025' से हुई सम्मानित

मुझे यह पुरस्कार पाकर अत्यंत खुशी और गर्व महसूस हो रहा है। सिंधी संगीत मेरी पहचान है, मेरा अस्तित्व है। कई वर्षों से मैं सिर्फ धुनों के प्यार के लिए गाती रही हूं, लेकिन आज यह सम्मान मेरे प्रयासों को मिली मान्यता जैसा लग रहा है। मेरे पति सोनू विश्णानी के सहयोग के बिना यह संभव नहीं हो पाता। सिंधिया को संरक्षित करने और 'लता म्यूजिकल ग्रुप' के माध्यम से इसे अगली पीढ़ी तक पहुंचाने के हमारे प्रयास निरंतर जारी रहेंगे। मैं यह पुरस्कार अपने श्रोताओं, सिंधी समुदाय और हमारे शहर उल्हासनगर को समर्पित करता हूँ।

-लता भगतानी

उल्हासनगर. सिंधी संगीत की गायकी में अपना विशिष्ट स्थान बनाने वाली उल्हासनगर की सुप्रसिद्ध गायिका लता भगतानी विश्णानी ने अपनी मधुर गायकी से विश्व पटल पर ख्याति स्थापित की है। उन्हें प्रतिष्ठित पुरस्कार 'वर्ल्ड रिकॉर्ड ऑफ एक्सीलेंस आइकॉन 2025' से सम्मानित किया गया है. सिंधी संस्कृति की अखंडता और कलात्मकता विश्व स्तर पर गूंज रही है। सिंधी लोक संगीत के मधुर धागों को नई धुनों से बुनने वाली और अपने गीतों के माध्यम से सिंधियत की प्रामाणिकता को आवाज देने वाली गायिका लता भगतानी विश्नाणी को प्रतिष्ठित वैश्विक पुरस्कार 'वर्ल्ड रिकॉर्ड ऑफ एक्सीलेंस आइकॉन 2025' से सम्मानित किया गया है। इसे उनकी संगीत यात्रा का शिखर माना जाता है, जिसकी शुरुआत उल्हासनगर जैसे शहर से हुई।

लता भगतानी विश्नाणी को महज 8 वर्ष की आयु में ही संगीत के प्रति प्रेम हो गया था। साढ़े तीन दशक से अधिक समय तक उन्होंने सिंधी भाषा की कविता, भजन, शास्त्रीय गीत, भक्ति गीतों के साथ-साथ लोक परंपरा में निहित गीतों का अध्ययन किया और उनमें अपनी भावना और तकनीकी शुद्धता की भावना को मजबूती से स्थापित किया। उनकी आवाज़ सिंधी लोक संगीत की देवी स्वर्गीय कुमारी भगवंती नवानी से इतनी मिलती-जुलती है कि यह कई पुराने गीतों की याद दिलाती है। विशेष रूप से उनके एल्बम 'सुखमणी गीत संग्रह' ने हजारों श्रोताओं के दिलों में घर कर लिया है।

यह पुरस्कार मिलने से सिंधी समाज और उल्हासनगर शहर में खुशी का माहौल है और लता भगतानी विशणानी का काम कई महिलाओं के लिए प्रेरणा बन रहा है। उनके अथक प्रयासों को मिली इस वैश्विक मान्यता ने सिंधी संगीत की परंपरा को पुनर्जीवित कर दिया है।

अंबरनाथ-उल्हासनगर में तिरपाल की मांग बढ़ी

अंबरनाथ. तालुका में बारिश शुरू होने के साथ ही घरों, दुकानों और वाहनों को ढकने के लिए तिरपाल की मांग बढ़ गई है। तिरपाल की दुकानों पर लोगों की लाइन दिखाई पड़ रही है. इस वर्ष, नागरिक ये खरीदारी पहले ही और जल्दबाजी में करते नजर आ रहे हैं।

इस वर्ष मई माह में ही ठाणे जिले सहित राज्य के कई स्थानों पर भारी बारिश हुई। इस बारिश से नागरिकों को कठिनाई हुई है और किसानों को भारी नुकसान हुआ है। ग्रामीण क्षेत्रों में घरों से पानी टपक रहा है। इसके चलते अब तिरपाल खरीदने के लिए नागरिकों की बाजार में भीड़ उमड़ पड़ी है। अंबरनाथ में भी कल्याण-बदलापुर मार्ग पर तिरपाल खरीदने के लिए लोगों की दुकानों पर भीड़ उमड़ पड़ी। हर साल 15 जून के आसपास शुरू होने वाली बारिश के बारे में नागरिकों को जानकारी नहीं होती है; हालांकि, इस साल मई में हुई बारिश के बाद से नागरिक अब तिरपाल लेकर अपने घरों और दुकानों पर डालते नजर आ रहे हैं।

उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

पूर्वोत्तर में तबाही की बारिश

पूर्वोत्तर में इस बार भी बारिश ने तबाही मचा दी है। लाखों लोगों का जीवन संकट में है। असम सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। यह केवल प्राकृतिक आपदा नहीं, मानवीय संकट भी है। वर्तमान स्थिति का सबसे बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन तो है ही, कमजोर बुनियादी ढांचा भी है। पूर्वोत्तर के कई राज्य हर बार भारी बारिश का सामना करते हैं। इस दौरान नदियां उफन पड़ती हैं। जर्जर तटबंध पानी के वेग को संभाल नहीं पाते। नतीजा यह कि कई जिले जलमग्न हो जाते हैं, जिससे हजारों लोग बेघर हो जाते हैं। फसलें बर्बाद हो जाती हैं।

दरअसल, जंगलों की कटाई, अवैध खनन और अनियोजित शहरीकरण से यह समस्या बढ़ी है। पूर्वोत्तर में आपदा प्रबंधन आज तक मजबूत नहीं बन पाया है, तो इसकी क्या वजह है? मेघालय, त्रिपुरा, मणिपुर, अरुणाचल सहित कई राज्य इस बार भी बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। कई लोगों की मौत हो चुकी है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की रपट के मुताबिक 764 गांव जलमग्न हो गए हैं। पूरे पूर्वोत्तर में बरसात के दिनों में यही तस्वीर दिखती है। सवाल है कि बाढ़ से बचाव के लिए राज्य सरकारें पहले से तैयारी क्यों नहीं करतीं।

जलवायु विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि अगर जलवायु अनुकूल रणनीति और योजनाएं नहीं बनाई गईं, तो भविष्य में बारिश बड़े पैमाने पर तबाही ला सकती है। मौसम वैज्ञानिक पहले से ही बताते रहे हैं कि पूर्वोत्तर क्षेत्र की संरचना नाजुक है। ऐसे में, जल निकासी का व्यापक प्रबंधन न होने से मूसलाधार बारिश के दौरान जल प्रवाह को संभालना मुश्किल होता है। वहीं उफनती नदियां तबाही मचा देती हैं।

भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विभाग की रपट बताती है कि वर्ष 2000 से 2020 के बीच मेघालय, अरुणाचल और असम में 33 फीसद बारिश बढ़ी है। ऐसे में आपदा प्रबंधन से जुड़े योजनाकारों और मौसम विज्ञानियों को बारिश में आई तीव्रता और मौसम के बदलते मिजाज को समझना होगा। प्राकृतिक आपदा के कारण नागरिक बेघर न हों, इसके लिए जरूरी है कि स्थानीय निगरानी तंत्र को मजबूत किया जाए। हर वर्ष तबाही की बारिश से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन की ठोस योजनाएं बनाना वक्त का तकाजा है।

देश हित पर भारी पड़ रहे दलगत स्वार्थ

आखिरकार शशि थरूर के बाद कांग्रेस के कुछ नेताओं ने पाकिस्तान के आतंकी चेहरे को बेनकाब करने और आपरेशन सिंदूर का औचित्य बताने के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल अपने एक और नेता सलमान खुर्शीद पर भी हमला बोल दिया। जैसे थरूर ने ऐसे नेताओं का नाम न लेते हुए उन्हें जवाब दिया, वैसे ही खुर्शीद ने भी।

इसी के साथ उन्होंने अपनी पीड़ा बयान करते हुए यह प्रश्न भी किया कि क्या देशभक्त होना इतना कठिन है? यह केवल एक प्रश्न नहीं, पीड़ा भी है। इस पीड़ा का अनुभव कांग्रेसजन भी कर रहे होंगे, लेकिन वे कुछ कह नहीं सकते, क्योंकि उन्हें भी पता है कि थरूर और खुर्शीद पर हमले पार्टी नेतृत्व के करीबी कर रहे हैं।

थरूर और गांधी परिवार के रिश्ते शायद तबसे ठीक नहीं चल रहे, जबसे उन्होंने मल्लिकार्जुन खरगे के विरुद्ध अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ा। राहुल गांधी के अति विश्वासपात्र जयराम रमेश ने उन पर कटाक्ष करते हुए कहा था, 'कांग्रेस में होने और कांग्रेस का होने में' फर्क होता है। लोकसभा चुनाव का टिकट न मिलने पर पाला बदलने और अब खुद को कांग्रेस का सिपाही कहने वाले उदितराज की समझ से थरूर भाजपा के सुपर प्रवक्ता बन गए हैं।

अतीत में नरेन्द्र मोदी और शशि थरूर एक-दूसरे की आलोचना कर चुके हैं। बाद में कुछ मौकों पर दोनों ने एक-दूसरे की प्रशंसा भी की। थरूर ने आपरेशन सिंदूर को भारत की उचित प्रतिक्रिया बताते हुए ट्रंप पर भी निशाना साधा। थरूर के

विपरीत सलमान खुर्शीद गांधी परिवार के करीबी माने जाते हैं। वह पहले भी भाजपा के आलोचक रहे हैं और अब भी हैं।

उन्होंने कहा भी, 'क्या यहां मैं सरकार का विरोध करने आया हूं? यदि ऐसा करना होगा तो भारत जाकर करूंगा। यहां तो मैं भारत के पक्ष में बोलने आया हूं।' यह वही खुर्शीद हैं, जिन्होंने अपनी किताब में लिखा था कि हिंदुत्व इस्लामिक स्टेट और बोको हराम जैसा है। तब उनकी आलोचना इसी स्तंभ में की गई थी। खुर्शीद पर इसलिए निशाना साधा गया, क्योंकि इंडोनेशिया में उन्होंने जम्मू-कश्मीर से अनु. 370 हटाने को सही बताया। ध्यान दें कि इस अनुच्छेद को हटाने के फैसले का समर्थन करने वाले कांग्रेस के कई नेता पार्टी छोड़ चुके हैं। यह राहुल गांधी और उनके करीबी ही बता सकते हैं कि थरूर के साथ खुर्शीद को निशाने पर लेने से कांग्रेस या फिर देश के कौन से हित सध रहे हैं, क्योंकि आम लोगों के लिए इसे समझना कठिन है। क्या कांग्रेस नेतृत्व यह बुनियादी बात भी नहीं समझता कि मोदी के नेतृत्व वाली भारत सरकार और भारत में अंतर है?

आम तौर पर अपने ही नेता की आलोचना गुटबाजी, उसके बढ़ते कद या फिर नेतृत्व की उससे नाराजगी के चलते की जाती है। सलमान खुर्शीद कांग्रेस के ऐसे नेता नहीं हैं, लेकिन उन्हें भी नहीं बख्शा गया। अपने देश में दूसरे दलों और उनके नेताओं पर सही-गलत आरोप लगाने में कोई समस्या नहीं होती, लेकिन इसका भी एक समय होता है। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल भाजपा सांसद निशिकांत दुबे विश्व में भारत की बात कहने से ज्यादा जोर एक्स पोस्ट के जरिये कांग्रेस पर हमला करने में दे रहे हैं।

हैरानी है कि सरकार और भाजपा की ओर से कोई उनसे यह क्यों नहीं कह रहा कि दुबे जी, जरा थम जाएं, देश लौटकर कांग्रेस का कच्चा-चिट्ठा खोलिएगा और अभी उस पर ध्यान दें, जिसके लिए विदेश गए हैं। हर राजनीतिक दल और नेता के अपने-अपने राजनीतिक हित होते हैं और वे अपने वोट बैंक की अतिरिक्त चिंता करते हैं। इसमें हर्ज नहीं, लेकिन कभी-कभी ऐसे अवसर आते हैं, जब देश हित को ही सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। इसका परिचय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों में शामिल कई विपक्षी नेता शानदार तरीके से दे रहे हैं।

स्पेन गए हमारे नेता वहां जब भारतीय समुदाय से मिले तो किसी ने प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहीं कनीमोरी से पूछा-भारत की राष्ट्रीय भाषा क्या है? उनका जवाब था-एकता में अनेकता हमारी राष्ट्रीय भाषा है। प्रश्न पूछने वाले की बोलती बंद हो गई और शेष लोगों ने करतल ध्वनि की। इस पर विशेष रूप से गौर करें कि कनीमोरी उस डीएमके की सांसद हैं, जो यह थोथा प्रचार कर रही है कि मोदी सरकार तमिल भाषा पर हिंदी थोप रही है।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

जब हम एक इंसान के रूप में इस संसार में आते हैं, तो यह हमारे लिए प्रभु के प्रेम को अनुभव करने का अवसर होता है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

दो सगे भाइयों के साथ क्रूर व्यवहार और यौन शोषण

दिव्यांग जनों को सामान्य नागरिक अधिकार और सम्मानजनक जीवन जीने के अवसर सुनिश्चित कराना सरकारों के सामने बड़ी चुनौती है। शिक्षा का स्तर ऊंचा होने के बावजूद, आज भी ऐसे लोगों के प्रति हमारे समाज का नजरिया संकुचित और अनेक बार अमानुषिक ही देखा जाता है। हालांकि सरकारें ऐसे बच्चों की पढ़ाई-लिखाई, चिकित्सा, प्रशिक्षण आदि के लिए अलग से वित्तीय प्रबंध करती हैं, इनके लिए चलाए जा रहे केंद्रों को प्रोत्साहित करती हैं। फिर भी दिव्यांग जनों के जीवन में अपेक्षित बेहतरी नजर नहीं आती। इसलिए कि बहुत बार न केवल समाज के सामान्य लोगों, बल्कि उनके लिए विशेष रूप से चलाए जा रहे केंद्रों का दृष्टिकोण भी अमानवीय ही होता है।

इसका ताजा उदाहरण देहरादून के एक केंद्र में मानसिक रूप से कमजोर दो सगे भाइयों के साथ क्रूर व्यवहार और यौन शोषण का है। यह केंद्र विशेष लालन-पालन और शिक्षा की दरकार वाले बच्चों के लिए खोला गया था। उसमें छात्रावास का भी प्रबंध था। खबर के मुताबिक, दिल्ली की एक संस्था ने देहरादून में किराए के भवन में यह केंद्र खोला था। मगर उस केंद्र में बच्चों की देखरेख करने वाला एक कर्मचारी वहां के बच्चों का यौन शोषण और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करता था।

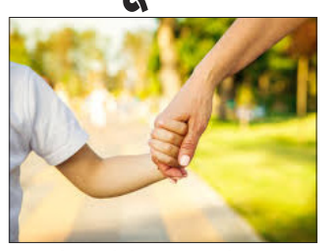

सगे भाइयों ने अपनी मां से आपबीती बताई, तो उसने प्राथमिकी दर्ज कराई। आरोपी कर्मचारी को गिरफ्तार कर लिया गया है। राज्य बाल कल्याण समिति ने इस मामले में सख्त कदम उठाते हुए केंद्र को बंद करा दिया है। पर यह सवाल अपनी जगह है कि इससे कितने ऐसे केंद्र सबक लेंगे। यह कोई पहली घटना नहीं है। दिव्यांगजनों, महिलाओं, अनाथ बालिकाओं, बेसहारा बच्चों के लिए बने केंद्रों में प्रताड़ना और यौन शोषण के मामले अक्सर उजागर होते रहते हैं। प्रताड़ना, दुर्व्यवस्था आदि से परेशान होकर अनाथालयों, बाल सुधार गृहों से बच्चों के पलायन की खबरें भी जब-तब सुनने को मिल जाती हैं।

हर बार ऐसे केंद्रों की व्यवस्था दुरुस्त करने के संकल्प दोहराए जाते हैं, पर नतीजा वही ढाक के तीन पात रहता है। इस प्रवृत्ति के पनपने के पीछे बड़ी वजह है कि दिव्यांगों, बेसहारा बच्चियों आदि के लिए चलाए जाने वाले केंद्रों का मकसद लाभ कमाना अधिक होता है। उनकी नजर सरकारी योजनाओं के तहत मिलने वाली वित्तीय मदद पर अधिक रहती है। यही वजह है कि दिव्यांग बच्चों की शिक्षा-दीक्षा के लिए प्रशिक्षित और निष्ठावान अध्यापकों, पालकों, कर्मचारियों की जरूरत को सिरे से अनदेखा किया जाता है। ज्यादातर जगहों पर घरेलू सहायक और सामान्य रसोइया किस्म के कर्मचारियों से काम चलाया जाता है।

दिव्यांग जनों, खासकर मानसिक रूप से दुर्बल माने जाने वाले विशेष बच्चों की देखरेख और शिक्षण-प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षित कर्मचारियों की जरूरत होती है। ऐसे कर्मचारी तैयार करने के लिए विशेष प्रशिक्षण संस्थान भी चलाए जाते हैं। मगर सरकारी अनुदान से स्वयंसेवी संगठनों द्वारा चलाए जा रहे बहुत सारे केंद्रों में धन की बचत के लोभ में कम वेतन पर अक्सर अप्रशिक्षित और गैर-जिम्मेदार कर्मचारी भर्ती कर लिए जाते हैं।

यह कल्पना करना भी मुश्किल है कि जो बच्चे जन्म से दिव्यांगता का दंश झेल रहे हैं, उनके मन पर ऐसे केंद्रों के कर्मचारियों के अमानुषिक व्यवहार का कैसा प्रभाव पड़ता होगा। ऐसी घटनाएं केवल कुछ कानूनी नुक्तों के आधार पर की जाने वाली कार्रवाइयों से नहीं रुकने वालीं। संस्था चलाने वालों में करुणा पैदा होना जरूरी है।

माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई का खर्च 30 लाख से डेढ़ करोड़ रुपए

माउंट एवरेस्ट, दुनिया की सबसे ऊंची चोटी, 8,848.86 मीटर की ऊंचाई के साथ हर पर्वतारोही का सपना है.

जरा हट के

लेकिन इस चोटी को फतह करना केवल शारीरिक और मानसिक ताकत की बात नहीं है बल्कि इसके लिए मोटी रकम की भी जरूरत पड़ती है. जी हां, माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई का खर्च इतना है कि यह किसी आम आदमी के बस की बात नहीं है. आइए जानते हैं कि इस रोमांचक सफर के लिए कितने पैसे और क्या-क्या तैयारियां चाहिए. माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने का कुल खर्च प्रति व्यक्ति 30 लाख से 1.5 करोड़ रुपये तक हो सकता है. यह लागत कई कारकों पर निर्भर करती है, जैसे परमिट, गाइड, उपकरण, ट्रेनिंग और यात्रा की व्यवस्था. आइए इसे विस्तार से समझते हैं:

परमिट शुल्क: नेपाल सरकार की ओर से माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने के लिए परमिट अनिवार्य है. इसकी कीमत प्रति

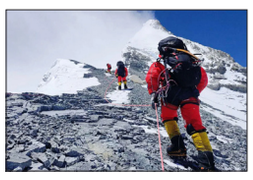

व्यक्ति लगभग 11,000 डॉलर (करीब 9 लाख रुपये) है. तिब्बत की ओर से चढ़ाई के लिए परमिट सस्ता (लगभग 7,000 डॉलर) है लेकिन वहां पहुंचना और लॉजिस्टिक्स ज्यादा जटिल है.

शेरपा गाइड और सपोर्ट स्टाफ: एक अनुभवी शेरपा गाइड की फीस 5,000 से 10,000 डॉलर तक हो सकती है. इसके अलावा, पोर्टर, कुक और अन्य सपोर्ट स्टाफ की लागत भी 10,000 से 20,000 डॉलर तक हो सकती है.

उपकरण और गियर: एवरेस्ट की चढ़ाई के लिए उच्च गुणवत्ता वाले उपकरण जैसे ऑक्सीजन सिलेंडर, टेंट, पर्वतारोहण के जूते, रस्सियां और गर्म कपड़े जरूरी है. इनकी कुल लागत 8,000 से 15,000 डॉलर तक हो सकती है. ऑक्सीजन सिलेंडर की कीमत ही प्रति सिलेंडर 500 से 1,000 डॉलर है और एक चढ़ाई में 5-6 सिलेंडर की जरूरत पड़ सकती है.

ट्रेनिंग और तैयारी: एवरेस्ट की चढ़ाई के लिए विशेष प्रशिक्षण जरूरी है. कई पर्वतारोही छोटी चोटियों पर अभ्यास करते हैं, जिसके लिए अलग से खर्च (लगभग 5,000 से 10,000 डॉलर) करना पड़ता है. इसके अलावा, फिटनेस ट्रेनिंग और मेडिकल चेकअप का खर्च भी शामिल होता है.

स्वादिष्ट ब्रेड मसाला

खाना-खजाना

सामग्री :

- ब्रेड स्लाइसः 6-8
- प्याज 1
- टमाटरः 1
- शिमला मिर्चः आधी
- हरी मिर्चः 1-2
- अदरक-लहसुन का पेस्टः 1 चम्मच
- तेल/घीः 2-3 बड़े चम्मच
- राईः 1/2 चम्मच
- करी पत्ताः 5-6
- हल्दी पाउडरः 1/4 चम्मच
- लाल मिर्च पाउडरः 1/2 चम्मच
- धनिया पाउडरः 1 चम्मच
- गरम मसालाः 1/2 चम्मच
- नमकः स्वादानुसार
- हरा धनियाः
- नींबू का रसः 1 चम्मच

विधि :

सबसे पहले ब्रेड स्लाइस को छोटे चौकोर टुकड़ों में काट लें। आप चाहें तो इन्हें हल्का टोस्ट भी कर सकते हैं या ऐसे ही इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके बाद एक कड़ाही या पैन में तेल/घी गरम करें। जब तेल गरम हो जाए तो उसमें राई डालें। जब राई चटकने लगे तो कढ़ी पत्ता और बारीक कटी हरी मिर्च डालें। अब बारीक कटा प्याज डालें और उसे सुनहरा होने तक

भूनें। प्याज भुन जाने पर अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर एक मिनट तक भूनें। इसके बाद बारीक कटा टमाटर और शिमला मिर्च डालें और टमाटर के नरम होने तक पकाएं। अब हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर और नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं। मसालों को धीमी आंच पर एक-दो मिनट तक भूनें ताकि कच्चापन निकल जाए। अब कटे हुए ब्रेड के टुकड़े कड़ाही में डालें और मसालों के साथ अच्छी तरह मिलाएं। ध्यान रहे कि ब्रेड के हर टुकड़े पर मसाला अच्छे से लग जाए। अगर आपको ब्रेड थोड़ी नरम चाहिए, तो आप थोड़ा सा पानी छिड़क कर ढक्कन लगाकर 2-3 मिनट के लिए धीमी आंच पर पका सकते हैं। इससे ब्रेड मसालों का स्वाद अच्छे से सोख लेगी। आखिर में गरम मसाला और बारीक कटा हरा धनिया डालें और अच्छी तरह मिलाएं। आप चाहें तो नींबू का रस भी मिला सकते हैं, इससे स्वाद और भी निखर जाएगा। आपका स्वादिष्ट ब्रेड मसाला तैयार है।

आज का राशिफल

मेष : पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। अनहोनी की आशंका रहेगी। शत्रुभय रहेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। जरा सी लापरवाही से अधिक हानि हो सकती है।

वृषभ : रुके हुए कार्यों में गति आएगी। घर-बाहर सभी अपेक्षित कार्य पूर्ण होंगे। दूसरों के कार्य की जवाबदारी न लें। वाणी पर नियंत्रण रखें। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। पार्टनरों से मतभेद संभव है। व्यवसाय ठीक चलेगा। समय नेष्ट है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन : नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। छोटे भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। संचित कोष में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से अनबन हो सकती है। स्थायी संपत्ति खरीदने-बेचने की योजना बन सकती है। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी।

कर्क : मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। लेन-देन में सावधानी रखें। शत्रुओं का पराभव होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। भय रहेगा। प्रमाद न करें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यापार में अधिक लाभ होगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा।

सिंह : बनते कामों में बाधा हो सकती है। दूसरों से अपेक्षा न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। मातहतों से अनबन हो सकती है। कुसंगति से हानि होगी। पारिवारिक समस्याओं में इजाफा होगा। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। भागदौड़ रहेगी। दूर से बुरी खबर मिल सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें।

कन्या : सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। किसी बड़े काम करने की योजना बनेगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। भाइयों का सहयोग मिलेगा। भाग्य का साथ मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। पुराने किए गए प्रयासों का लाभ मिलना प्रारंभ होगा।

तुला : जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। सुख के साधन जुटेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। घर में मेहमानों का आगमन होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। व्यय होगा। किसी पारिवारिक आयोजन का हिस्सा बन सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

वृश्चिक : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

धनु : वाणी पर नियंत्रण रखें। दूसरों के कार्य में दखल न दें। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। लाभ बढ़ेगा। यात्रा में सावधानी रखें। जल्दबाजी से हानि होगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। पुराना रोग उभर सकता है।

मकर : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को चोट पहुंच सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। व्यापार में वृद्धि होगी। कोई बड़ी बाधा आ सकती है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी से काम बिगड़ेंगे। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

कुंभ : सभी तरफ से सफलता प्राप्त होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। आय बढ़ेगी। घर में प्रसन्नता रहेगी। ऐश्वर्य पर व्यय हो सकता है। नई योजना बनेगी जिसका लाभ तुरंत नहीं मिलेगा। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। तनाव हावी रहेंगे।

मीन : व्यापार लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होगा। बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। विवेक से कार्य करें। लाभ में वृद्धि होगी। मान-सम्मान मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के काम बनेंगे। अध्यात्म में रुचि बढ़ेगी।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

मस्तिष्क के लिए शीर्षासन कैसे फायदेमंद

शीर्षासन मस्तिष्क के लिए बेहद लाभकारी है. इसके अभ्यास से सिर की ओर रक्त प्रवाह बढ़ता है, जिससे मस्तिष्क को ज्यादा ऑक्सीजन और पोषण मिलता है. यह याददाश्त, एकाग्रता और सोचने की क्षमता को बेहतर बनाता है. साथ ही तनाव, चिंता और डिप्रेशन को कम करने में सहायक होता है. यह मानसिक संतुलन को मजबूत करता है.

पहले अपने पैरों को दीवार के सहारे टिकाएं और धीरे-धीरे उन्हें दीवार पर ऊपर की ओर ले जाएं. इस दौरान अपना वजन हाथों पर रखें, ताकि शरीर का संतुलन बना रहे. फिर अपने सिर को चटाई पर सावधानी से रखें और धीरे-धीरे पैरों को ऊपर उठाएं, जिससे शरीर शीर्षासन की सही स्थिति में आ सके. इस आसन को करते समय संतुलन बनाए रखना बहुत जरूरी होता है, जिसमें आपकी भुजाएं और कंधे मदद करते हैं. शुरुआत में दीवार का सहारा लेना बेहतर होता है, इससे आसन करना आसान और सुरक्षित रहता है.

रक्त संचार बेहतर होगा: शीर्षासन करने से शरीर में रक्त संचार बेहतर होता है, खासकर सिर की ओर. जब हम उल्टा खड़े होते हैं, तो हृदय से मस्तिष्क तक रक्त का प्रवाह बढ़ जाता है, जिससे ब्लड प्रेशर संतुलित रहता है. इसका असर त्वचा और बालों पर

भी दिखाई देता है, त्वचा में चमक आती है, बालों का झड़ना कम होता है और कई तरह की त्वचा संबंधित समस्याएं भी धीरे-धीरे दूर होने लगती हैं.

पेट की परेशानियां कम होंगी: इस आसन से पाचन तंत्र को काफी फायदा मिलता है. यह आसन पेट से जुड़ी समस्याओं जैसे कब्ज, गैस और अपच को दूर करने में मदद करता है. जब आप उल्टा होकर इस आसन को करते हैं, तो शरीर में रक्त संचार बेहतर होता है जिससे पाचन क्रिया मजबूत होती है.

मांसपेशियों में मजबूती आएगी: इस आसन से हाथ और कंधों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं, क्योंकि शरीर का पूरा वजन इन्हीं पर टिका होता है. साथ ही यह गर्दन, सिर और पीठ की मांसपेशियों को भी ताकत देता है और संतुलन बनाए रखने में मदद करता है.

शीर्षासन करने से पहले की सावधानियां

यूं तो शीर्षासन कई फायदे देता है, लेकिन कुछ लोगों को इसे करने से पहले सावधानी बरतनी चाहिए. जिन लोगों को ब्लड प्रेशर की समस्या है, उन्हें यह आसन करने से पहले डॉक्टर से सलाह जरूर लेनी चाहिए. माइग्रेन या लगातार सिरदर्द से परेशान लोग इस आसन से दूर रहें, क्योंकि इससे परेशानी बढ़ सकती है. गर्भवती महिलाओं के लिए भी यह आसन सुरक्षित नहीं है, इसलिए उन्हें इसका अभ्यास नहीं करना चाहिए. इसके अलावा, अगर किसी को रीढ़ की हड्डी से जुड़ी कोई समस्या है तो उन्हें भी शीर्षासन करने से बचना चाहिए.

बिस्तर पर जाने से पहले पीएं सौंफ-जीरा का पानी

- सेहत को होंगे 5 कमाल के फायदे!
- कभी नहीं होंगी पेट की परेशानियां

अच्छी और पर्याप्त नींद सेहत को ढेरों लाभ दे सकती है. इसके लिए लोग क्या-क्या नहीं करते हैं. लेकिन, अगर पेट में कुछ गड़बड़ी हो जाए तो इससे नींद तो खराब होगी ही, साथ ही पेट में भारीपन, खट्टी डकारें, गैस और कब्ज जैसी परेशानियां भी हो सकती हैं. पेट से जुड़ी इन परेशानियों से निजात पाने के लिए लोग तमाम दवाओं का सेवन करते हैं. लेकिन, इनके कुछ साइड इफेक्ट भी हो सकते हैं. ऐसे आप चाहें तो घर में रखी कुछ चीजों का भी सेवन कर सकते हैं. ये चीजें सौंफ और जीरा है. इनके सेहत लाभ के लिए आपको सौंफ और जीरा का पानी सोने से पहले पीना होगा. ऐसा करने से खाना आसानी से पचेगा और पेट से जुड़ी परेशानियां भी कम होंगी. अब सवाल है कि आखिर जीरा और सौंफ का पानी पीने से क्या होगा? सौंफ-जीरा का पानी सेहत के लिए कैसे फायदेमंद?

- सोने से पहले क्यों पीएं जीरे का पानी

एक्सपर्ट के मुताबिक, खाना जल्दी पचाने में जीरा फायदेमंद होता है. इसकी तासीर गर्म होती है जिससे यह मलत्याग करना आसान बनाता है.

अगर आपको खाना देरी से

पचता है, तो सोने से पहले जीरे का पानी जरूर पिएं. इससे खाने को जल्दी पचने में मदद मिलेगी और सुबह मलत्याग करना भी आसान होगा. जीरे का पानी पीने से भूख बढ़ती है. जिन लोगों को भूख नहीं लगती है उन्हें जीरे का पानी पीने से नैचुरली भूख लगने लगती है. यह पेट में मौजूद एसिड को एक्टिव करता है जिससे खाना ठीक से पचता है.

सोने से पहले सौंफ-जीरा का पानी पीने के लाभ

- **एसिडिटी-गैस से निजात:** जीरा और सौंफ दोनों ही खाना पचाने में मदद करते हैं. इनके सेवन से ब्लोटिंग और एसिडिटी जैसी समस्याएं ठीक होती हैं. अगर पेट में कहीं गैस अटक रही है, तो इसके सेवन से गैस से राहत भी मिलती है. सौंफ और जीरे का पानी पाचन क्रिया तेज करता है, जिससे एसिडिटी की समस्या से आराम मिलता है.
- **पेट में नहीं होगा जलन:** पेट में एसिड बढ़ने से पेट में जलन होती है. लेकिन अगर आप सौंफ और जीरे का पानी पीते हैं, तो इससे पेट में जलन कम होती है. इसके सेवन से ब्लोटिंग और पेट में भारीपन से भी राहत मिलती है. सौंफ की तासीर ठंड़ी होती है जिससे पेट में जलन शांत होती है.
- **खाना पचने में आसानी:** जीरा और सौंफ दोनों में भी डाइजेस्टिव एंजाइम पाए जाते हैं. अक्सर भारी खाना या कुछ बादी खाने से पेट में दर्द हो जाता है. लेकिन सौंफ और जीरे का पानी पीने से पेट दर्द से राहत मिलती है. इससे एसिडिटी शांत होती है और पेट दर्द कम होता है.

बालकनी को सजाएं इन पौधों से

- सालभर आते हैं फ्लावर, मेंटेन करना भी है आसान

गर्मी के मौसम में कई ऐसे पौधे हैं जो न सिर्फ आसानी से लग जाते हैं बल्कि सालभर फूल भी देते हैं. ये रंग बिरंगे फूल आपके बगीचे को खुशनुमा तो बनाते ही है, साथ ही दूर दूर तक खुशबू भी बिखेरते हैं. अगर आप भी अपने बगीचे में कुछ नया पौधा वो भी सालभर फूल देने वाला, लगाना चाहते हैं तो जून के महीने में जरूर लगाएं इन्हें. ये पौधे न केवल आपकी बलकनी को खूबसूरत बनाते हैं, बल्कि इन्हें मेंटेन करना भी बेहद आसान है.

मधुकामनी

मधुकामनी एक ऐसा पौधा है जो छोटे-छोटे सफेद फूलों से भरा रहता है. इसकी सबसे खास बात यह है कि इसके फूल बहुत ज्यादा खुशबूदार होते हैं. यह पौधा न केवल आपके गार्डन की शोभा बढ़ाता है बल्कि इसकी खुशबू पूरे घर को महका देती है. इसे धूप और हल्की छांव में आसानी से उगाया जा सकता है.

बोगनवेलिया

अगर आप अपनी बलकनी या गार्डन को रंगीन और आकर्षक बनाना चाहते हैं, तो बोगनवेलिया का पौधा जरूर लगाएं. इसमें 40 से ज्यादा रंगों के फूल आते हैं, जो आपकी जगह को एक जीवंत लुक देते हैं. यह पौधा गर्मी के मौसम में भी आसानी से पनपता है और ज्यादा देखभाल की जरूरत नहीं होती. इसे धूप वाली जगह पर लगाना चाहिए ताकि यह जल्दी और बेहतर तरीके से खिल सके.

इक्जोरा

इक्जोरा एक ऐसा पौधा है जिसमें रेड, पिंक, व्हाइट, येलो और गोल्डन रंग के फूल आते हैं. ये फूल गुच्छों में खिलते हैं और देखने में बेहद आकर्षक लगते हैं. यह पौधा सूरज की रोशनी में तेजी से बढ़ता है और सालभर फूल देता है. इसे नियमित रूप से पानी देना और थोड़ी-थोड़ी छंटाई करना काफी है.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

बेटा न होने की मिली सज़ा! डीजल डालकर विवाहिता को जिंदा जलाया, फरार हुआ पति

शाहजहांपुर. यूपी के शाहजहांपुर से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां दहेज की मांग और बेटे न होने से नाराज ससुरालियों ने विवाहिता को डीजल डालकर जिंदा जला दिया। इलाज के लिए लखनऊ ले जाते समय उसकी रास्ते में मौत हो गई। वहीं, वारदात के बाद से ससुरालीजन फरार हैं। मदनापुर के रहने वाले महेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि उनकी 26 साल की बेटी शालू सिंह की शादी 13 मई 2021 को हरदोई के पचदेवरा थाना क्षेत्र के सहसोगा गांव के रहने वाले श्याम जी सिंह के साथ की गई थी। शादी के बाद से ही ससुरालजन कार की मांग को लेकर उसे प्रताड़ित करते रहे। परिजनों के अनुसार, शालू ने दो बेटियों को जन्म दिया, जिससे ससुरालजन और नाराज हो गए और उसे बेटा न होने का ताना देने लगे। परिजनों का आरोप है कि 28 मई को श्याम जी सिंह, उसकी मां विमला, पिता कुंवर बहादुर सिंह समेत अन्य परिजनों ने शालू पर डीजल डालकर आग लगा दी।

उर्स मेले में पुलिस पर भीड़ ने किया हमला, लाठी-डंडो से पीटा; कांस्टेबल की नाक फोड़ी

बदायूं. यूपी के बदायूं में उर्स मेले के दौरान शांति व्यवस्था ड्यूटी में लगे कांस्टेबल नवनीत वर्मा और लक्ष्मण सिंह पर लोगों ने लाठी-डंडों से जानलेवा हमला कर दिया गया। कांस्टेबल लक्ष्मण सिंह की तहरीर पर पुलिस ने नौ नामजद व कई अज्ञात पर मुकदमा दर्ज कराया है। मामला उझानी कोतवाली के गांव ननाखेड़ा में लगने वाले उर्स मेला का है। घटना मंगलवार रात 2:10 बजे की है, जब दोनों सिपाही ड्यूटी पर मुस्तैद थे। इसी दौरान भीड़ में मौजूद कुछ महिलाओं ने इशारा कर बताया कि दो युवक अश्लील टिप्पणियां कर रहे हैं। मौके पर पहुंचे दोनों पुलिसकर्मी जब युवकों से पूछताछ कर ही रहे थे, तभी हंगामा खड़ा हो गया। आरोप है कि युवकों ने खुद को आजम और जुबैर बताया और शोर मचाते हुए बोले जीजा गुड्डू, सालों को मारो इनको इसके तुरंत बाद करीब आधा दर्जन से ज्यादा लोग लाठी-डंडों से लैस होकर भीड़ में से निकल आए और दोनों पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया। कांस्टेबल नवनीत वर्मा के सिर पर डंडे से वार हुआ, जिससे उनकी नाक फट गई और वो खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़े।

पति ने रेत दी थी गर्दन; पत्नी ने तोड़ा दम

गोरखपुर. गोरखपुर के सहजनवां क्षेत्र के पिपरा वार्ड नंबर 9 में बुधवार की सुबह-सुबह एक युवती की चीखें सुन पड़ोसी दौड़ पड़े। युवती की गर्दन धारदार हथियार से रेत दी गई थी। उसने तड़प-तड़प कर दम तोड़ दिया। मिली जानकारी के अनुसार, अंगद शर्मा नाम का ये शख्स सहजनवा के पिपरा वार्ड-9 में अपनी पत्नी के साथ किराये पर रहता था। बुधवार (4 जून) की सुबह उसने सोते पत्नी के सिर पर वार कर दिया। इसके बाद धारदार हथियार से गला रेत डाला। हत्या के बाद वह शव के पास ही बैठ गया। लोगों का कहना है कि पत्नी की मौत के थोड़ी देर बाद तक वह वहीं बैठा रहा। इसके बाद खुद ही थाने जाकर सरेंडर कर दिया। हालांकि पुलिस का कहना है कि उसे मौके से हिरासत में लिया गया है। उसके पास से हत्या में इस्तेमाल हथियार भी बरामद कर लिया गया है।

बुजुर्ग महिला को बीच सड़क पर मारी गोली

हरदोई. यूपी के हरदोई जिले में मल्लावां कोतवाली क्षेत्र के ईश्वरापुर के बाजार में खोया बेचने आई बुजुर्ग महिला को हिस्ट्रीशीटर ने दौड़ाकर बीच सड़क पर गोली मार दी। उसके बाद गुस्साए लोगों ने सड़क पर जाम लगा दिया। घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई है। आरोपित हिस्ट्रीशीटर की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित कर दी गई है। बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र के मुक्कू पुरवा निवासी सूर्यबली की 70 वर्षीय पत्नी रामश्री बुधवार की सुबह मल्लावां कोतवाली क्षेत्र के ईश्वरापुर गांव की बाजार में खोया बेचने आई थीं।

CJI चुनने में नेहरू-इंदिरा ने की थी मनमानी

- चीफ जस्टिस गवई बोले- जजों का स्वतंत्र रहना जरूरी

नई दिल्ली. कॉलेजियम को लेकर सरकार और सुप्रीम कोर्ट के बीच अक्सर तनावपूर्ण रिश्ते रहे हैं। इस बीच भारत के प्रधान न्यायाधीश (CJI) बीआर गवई ने कार्यपालिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि जजों को स्वतंत्र रहना जरूरी है। उन्होंने कहा है कि जब तक जजों की नियुक्ति में अंतिम निर्णय सरकार के पास था तब तक दो बार गलत तरीके से भारत के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति हुई। उन्होंने कहा कि सबसे वरिष्ठ जजों को नजरअंदाज कर मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किए गए थे। यूके सुप्रीम कोर्ट द्वारा आयोजित एक गोलमेज सम्मेलन में 'न्यायिक वैधता और जन विश्वास बनाए रखना' विषय पर बोलते हुए उन्होंने ये बातें कही हैं। सम्मेलन में भारत के न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, इंग्लैंड और वेल्स की लेडी चीफ जस्टिस बैरोनेस कैर और यूके सुप्रीम कोर्ट के जज जॉर्ज लेगाट भी शामिल थे।

सीजेआई गवई ने कहा, "भारत में न्यायिक नियुक्तियों में प्रमुखता किसकी होनी चाहिए, यह हमेशा विवाद का विषय रहा है। 1993 तक यह अधिकार कार्यपालिका के पास था। इस दौरान दो बार कार्यपालिका ने परंपरा तोड़ते हुए वरिष्ठतम न्यायाधीशों को दरकिनार कर दिया।"

उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि न्यायमूर्ति सैयद जफर इमाम को 1964 में खराब स्वास्थ्य के कारण मुख्य न्यायाधीश नहीं बनाया गया और पंडित नेहरू की सरकार ने न्यायमूर्ति पीबी गजेंद्रगढ़कर को यह पद सौंपा। जस्टिस खन्ना को 1977 में इंदिरा गांधी सरकार की नाराजगी का सामना करना पड़ा। एडीएम जबलपुर बनाम शिव कांत शुक्ला मामले में उनके फैसले से तत्कालीन सरकार सहमत नहीं थी। इसके कुछ महीनों बाद उन्हें मुख्य न्यायाधीश का पद खोना पड़ा। उन्होंने फैसला सुनाया था कि आपातकाल के दौरान भी मौलिक अधिकारों को निलंबित नहीं किया जा सकता है।

संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 12 अगस्त तक

- जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव संभव

नई दिल्ली. संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होगा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को नई दिल्ली में इसकी जानकारी दी। रिजिजू ने बताया कि यह सत्र 21 जुलाई से 12 अगस्त तक चलेगा।

किरेन रिजिजू ने कहा- सरकार नियमों के तहत सत्र में किसी भी विषय पर चर्चा को तैयार हैं। साथ ही बताया कि सत्र के दौरान जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पेश हो सकता है। सरकार ने मानसून्त्र सत्र का ऐलान विपक्ष के 'स्पेशल सेशन' की मांग के बीच की है। विपक्ष पहलगाम हमला, ऑपरेशन सिंदूर और भारत-पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और CDS अनिल चौहान के भारतीय जेट गिरने पर सिंगापुर में दिए बयान पर चर्चा की मांग कर रहा है।

इंडिया गठबंधन के 17 दलों ने 3 जून को नई दिल्ली में बैठक की। इसमें स्पेशल सेशन बुलाने के लिए पीएम मोदी को लेटर लिखा। मोदी सरकार 3.0 और ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह संसद का पहला सत्र होगा।

रिजिजू बोले- पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा को तैयार

रिजिजू ने कहा- सरकार का कहना है कि संसद के आगामी मानसून सत्र के दौरान विपक्ष अगर नियमों के तहत चर्चा की मांग करता है, तो हम पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए तैयार हैं। आगामी सत्र के दौरान सरकार इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की भी तैयारी में हैं।

कोरोना का नया वैरिएंट 27 राज्यों में फैला, 44 मौतें

4302 एक्टिव केस, केरल के अस्पतालों में मॉक ड्रिल होगी, हिमाचल में मास्क जरूरी

नई दिल्ली. देश में कोरोना के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। मंगलवार को ही 300 नए केस मिले। सबसे ज्यादा गुजरात में 108 और महाराष्ट्र में 86 मामले सामने आए। इस तरह देश में एक्टिव केसों की संख्या 4302 पहुंच गई है।

कोरोना 27 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से फैल चुका है। हालांकि 9 राज्यों में अब तक एक भी मामला नहीं है। सबसे ज्यादा 1373 एक्टिव केस केरल में हैं। वहीं महाराष्ट्र 510 केसों के साथ दूसरे नंबर है।

कोरोना के नए वैरिएंट्स से देश में जनवरी से अब तक 44 मौतें हो चुकी हैं। इनमें से 37 मरीजों की मौत बीते 5 दिन में हुई है। महाराष्ट्र में मंगलवार को 4 मरीजों ने जान गई है। राज्य में मरने वाला की संख्या 14 पहुंच गई है। इसके अलावा बीते दिन दिल्ली, गुजरात और तमिलनाडु में भी 1-1 मौत हुई है।

हिमाचल प्रदेश में मंगलवार को कोरोना का पहला मामला सामने आया। इसके बाद राज्य सरकार ने देर रात एडवाइजरी जारी कर सभी हॉस्पिटल में मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया है। वहीं केरल सरकार ने नई गाइडलाइन के तहत सभी सरकारी और प्राइवेट हॉस्पिटल को मॉक ड्रिल कराने का आदेश दिया है।

10 जून को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन जाएंगे शुभांशु शुक्ला

- अंतरिक्ष से PM मोदी से बातचीत कर सकते हैं

नई दिल्ली. इंडियन एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला एक्सिओम मिशन 4 के तहत अब 10 जून को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (ISS) जाएंगे। यह मिशन दूसरी बार टाला गया है। सबसे पहले 29 मई को मिशन लॉन्च होना था। बाद में इसे 8 जून को शेड्यूल किया गया था।

अब मिशन को फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट पर 10 जून को शाम 5:52 बजे लॉन्च किया जाएगा। इसका ऐलान एक्सिओम-4 मिशन के क्रू मेंबर्स के साथ एक वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान किया गया, जो स्पेस स्टेशन जाने से पहले फिलहाल क्वारंटीन में हैं।

एक्सिओम मिशन 4 में चार देशों के चार एस्ट्रोनॉट 14 दिन के लिए स्पेस स्टेशन जाने वाले हैं। इस दौरान अंतरिक्ष में मौजूद शुभांशु से पीएम मोदी बातचीत कर सकते हैं।

शुभांशु के साथ तीन और एस्ट्रोनॉट जाएंगे

एक्सिओम 4 मिशन के चालक दल में भारत, पोलैंड और हंगरी के मेंबर शामिल हैं। स्लावोज़ उज़्नान्स्की 1978 के बाद स्पेस में जाने वाले पोलैंड के दूसरे एस्ट्रोनॉट होंगे। टिबोर कापू 1980 के बाद स्पेस में जाने वाले हंगरी के दूसरे एस्ट्रोनॉट होंगे। अमेरिकी की पेगी व्हिटसन का यह दूसरा कॉमर्शियल ह्यूमन स्पेस फ्लाइट मिशन है।

संजय झा और शिंदे का डेलिगेशन लौटा

- ऑपरेशन सिंदूर- मुस्लिम बहुल मलेशिया, इंडोनेशिया समेत 9 देशों का दौरा किया
- अन्य डेलिगेशन 8 जून तक लौटेंगे

नई दिल्ली. JD (U) सांसद संजय झा और शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे के नेतृत्व वाला डेलिगेशन बुधवार को भारत लौट आया। संजय झा के साथ आठ अन्य सदस्य पांच देशों के दौरे पर गए थे। इनमें इंडोनेशिया, मलेशिया, कोरिया, जापान और सिंगापुर शामिल है।

वहीं, शिंदे के साथ सात अन्य सदस्य चार देश UAE, लाइबेरिया, कांगो गणराज्य और सिएरा लियोन की यात्रा पर थे। मंगलवार को भाजपा सांसद बैजयंत पांडा और DMK सांसद कनिमोझी करुणानिधि के नेतृत्व वाले डेलिगेशन लौटे थे।

बैजयंत पांडा के नेतृत्व वाले ग्रुप में AIMIM सांसद असदुद्दीन ओवैसी समेत सात अन्य सदस्य थे। इन्होंने चार देशों सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन और अल्जीरिया का दौरा किया था। वहीं, कनिमोझी के नेतृत्व वाले ग्रुप में SP सांसद राजीव राय समेत सात अन्य सदस्य थे। इन्होंने रूस, स्पेन सहित 5 देशों का दौरा किया था।

बाकी 3 डेलिगेशन 8 जून तक विदेश दौरे से वापसी करेंगे। केंद्र सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर का मकसद दुनिया को बताने के लिए सभी पार्टियों के कुल 59 सांसदों को 33 देशों में भेजा है। इन सांसदों के सात डेलिगेशन ग्रुप्स अलग-अलग देशों के दौरे पर हैं। आठ पूर्व राजनयिक भी इन डेलिगेशन्स का हिस्सा हैं।

इलॉन मस्क के पिता अयोध्या पहुंचे

- हाथ जोड़कर नमस्कार किया
- रामलला-हनुमानगढ़ी के दर्शन करेंगे

अयोध्या. दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी इलॉन मस्क के पिता इरॉल मस्क अयोध्या पहुंच गए हैं। वह एयरपोर्ट से सीधे राम मंदिर आए हैं। वहां दर्शन-पूजन के बाद हनुमानढ़ी जाएंगे। इरॉल मस्क दिल्ली से प्राइवेट जेट से अयोध्या एयरपोर्ट पहुंचे।

इरॉल मस्क 1 घंटे तक मंदिर परिसर में रहेंगे। इसके बाद हनुमानगढ़ी में 15 मिनट रुकेंगे। यहां मीडिया से बातचीत का कार्यक्रम था, हालांकि बाद में उसे कैंसिल कर दिया गया है। उनके साथ मोटिवेशनल स्पीकर विवेक बिंद्रा समेत 16 लोग अयोध्या आए हैं। श्री लेयर सिक्योरिटी का इंतजाम है। ड्रोन, CCTV से निगरानी की जा रही है।

एयरपोर्ट पर इरॉल ने कहा-

भारत एक अद्भुत जगह है। जितना संभव हो सके, उतने लोगों को भारत आना चाहिए। जिस देश से मैं आता हूं, वहां बहुत सारे भारतीय हैं। इसलिए, मैं भारतीय संस्कृति को जानता हूं। यहां के लोग प्यारे हैं।

शिलांग में हनीमून मनाने गए युवक की हुई थी हत्या

- पेड़ काटने वाले हथियार से मारा
- पत्नी अब भी लापता
- 11 दिन बाद गहरी खाई में मिला था शव

शिलांग. मेघालय में इंदौर के ट्रांसपोर्टर राजा रघुवंशी की मौत के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। पूर्वी खासी हिल्स के एसपी विवेक सिम ने बताया कि राजा रघुवंशी की हत्या पेड़ काटने के हथियार से की गई है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है।

एसपी विवेक सिम ने बताया कि हत्या में इस्तेमाल किया गया हथियार भी पुलिस ने जब्त कर लिया है। अब जल्द ही इस मामले में खुलासा किया जाएगा।

बता दें कि हनीमून पर मेघालय के शिलांग गए इंदौर के राजा रघुवंशी का शव 11 दिन बाद सोमवार को एक गहरी खाई में मिला था। मंगलवार को शव का पोस्टमॉर्टम किया गया। राजा की पत्नी सोनम रघुवंशी अभी भी लापता है। जिसकी तलाश में एनडीआरएफ भी सर्च ऑपरेशन चला रही है।

परिजन राजा का अंतिम संस्कार इंदौर में ही करेंगे। शव लाने के लिए प्रक्रिया चल रही है। बताया जा रहा है कि मंगलवार को टिकट नहीं मिली थी। संभावना है कि बुधवार या गुरुवार तक शव इंदौर लाया जाएगा।

राजा के भाई ने की सीबीआई जांच की मांग

राजा रघुवंशी के भाई विपिन रघुवंशी ने मंगलवार को मीडिया से बातचीत में अपहरण और हत्या की आशंका जताई है। विपिन ने इस मामले में सीबीआई जांच की मांग की है। साथ ही मेघालय पुलिस पर मामले को दबाने का आरोप लगाया है। भाई विपिन ने कहा, राजा का पर्स, ब्रेसलेट, गले की चेन, बैग, अंगूठी और पावर बैंक आदि बरामद नहीं हुए हैं। पूरे मामले की अच्छे से जांच की जाए। हम चाहते हैं कि बहू सोनम जीवित मिले।

आरसीबी बना नया आईपीएल चैम्पियन

- चैंपियन RCB को 20 करोड़ रुपए
- PBKS को 12.50 करोड़ मिले
- सुदर्शन को 4 अवॉर्ड से 40 लाख
- 14 साल के वैभव सुपर स्ट्राइकर

अहमदाबाद. इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2025 को नया चैंपियन मिल चुका है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) ने पंजाब किंग्स को 6 रन से हराते हुए 18वें सीजन का टाइटल जीता। RCB ने पहली बार IPL टाइटल जीता, लेकिन पंजाब के ट्रॉफी जीतने का इंतजार बढ़ गया।

खिताब जीतने पर RCB को चमचमाती ट्रॉफी के साथ 20 करोड़ रुपए की विनिंग प्राइज मिली। जबकि रनर-अप PBKS को 12.5 करोड़ रुपए से संतोष करना पड़ा। तीसरे स्थान पर रही मुंबई इंडियंस को 7 और चौथे नंबर की टीम गुजरात टाइटंस को 6.50 करोड़ रुपए मिले।

सीजन में सबसे ज्यादा 759 रन बनाने वाले गुजरात के साई सुदर्शन को ऑरेंज कैप दी गई, जबकि सबसे ज्यादा 25 विकेट लेने वाले प्रसिद्ध कृष्णा को पर्पल कैप मिली। 14 साल के वैभव सूर्यवंशी सुपर स्ट्राइकर ऑफ सीजन चुने गए। सबसे ज्यादा इंडिविजुअल अवॉर्ड गुजरात के ओपनर साई सुदर्शन को मिले। उन्हें ऑरेंज कैप के अलावा, अल्टीमेट फैंटेसी प्लेयर ऑफ द सीजन, इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन और मोस्ट बाउंड्री (चौके) का अवॉर्ड भी दिया गया। मुंबई के सूर्यकुमार यादव मोस्ट वेल्यूएबल प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे। इनके अलावा, मोस्ट सिक्स हिटर का अवॉर्ड लखनऊ के निकोलस पूरन, ग्रीन डॉट बॉल का अवॉर्ड गुजरात के मोहम्मद सिराज और बेस्ट कैच का अवॉर्ड हैदराबाद के कमिंदु मेंडिस को दिया गया।

भाजपा बोली-कांग्रेस के सरेंडर कारनामे कैलेंडर में भरे पड़े

राहुल जैसा बयान आतंकियों ने भी नहीं दिया; कहा था-ट्रम्प के फोन से नरेंदर सरेंडर हुए

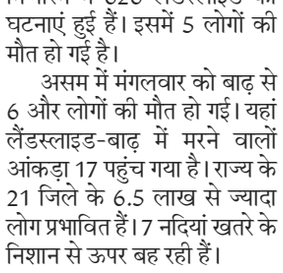

नई दिल्ली. भाजपा ने बुधवार को कहा कि नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद भी राहुल गांधी में परिपक्वता और गंभीरता नहीं आई है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को सरेंडर बताना उनकी खतरनाक मानसिकता दिखाता है।

राहुल गांधी ने ऐसा बयान दिया है जो पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने भी नहीं बोला, किसी आतंकी संगठन ने नहीं बोला, मसूर अजहर और हाफिज सईद ने भी नहीं बोला। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की घोषणा भारत सरकार या भाजपा के किसी प्रवक्ता ने नहीं देश की सेना ने की है। राहुल ने सरेंडर शब्द इस्तेमाल करके सेना का अपमान किया है।

राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा था कि ट्रम्प का एक फोन आया और नरेंद्र जी तुरंत सरेंडर हो गए।

पार्टी हेडक्वार्टर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, ' कांग्रेस सरकार ने 1965 में जीता हाजी पीर का दर्रा सरेंडर कर दिया, 1960 में सिंधु का 80% पानी सरेंडर कर दिया, 1948 में कश्मीर का हिस्सा सरेंडर कर दिया, 1947 में मुस्लिम लीग के आगे एक तिहाई देश सरेंडर कर दिया। राहुल जी आप, आपकी पार्टी और आपके खानदान के कारनामे आजाद हिंदुस्तान के कैलेंडर में सरेंडर से भरे पड़े हैं।'

भाजपा ने राहुल को चीन-पाकिस्तान का पेड एजेंट बताया

पीएम मोदी के लिए सरेंडर शब्द का इस्तेमाल करने पर भाजपा सांसद और प्रवक्ता संबित पात्रा ने मंगलवार को कहा कि जिस तरह के सवाल राहुल गांधी बार-बार पूछ रहे हैं, मुझे पूरा संदेह है कि वे चीन या पाकिस्तान के पेड एजेंट लगते हैं।

कोई 'सभ्य राजनेता' या विपक्ष का नेता अपने देश के बारे में बात करते समय 'सरेंडर' जैसे शब्द का इस्तेमाल कभी नहीं करेगा। अगर कोई नेता इस तरह के शब्द का इस्तेमाल कर रहा है तो वह राजनीति लायक नहीं है।

पात्रा ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले का बदला ऑपरेशन सिंदूर के तहत लिया गया था, जिसमें पाकिस्तान के अंदर नौ आतंकी लॉन्चपैड और 11 एयरबेस तबाह किए गए। इसके बावजूद, राहुल गांधी ने भारत के लिए सरेंडर शब्द का इस्तेमाल किया और ऑपरेशन सिंदूर का मजाक उड़ाया।

वैन पर पलटा सीमेंट से भरा ट्रॉला, 9 की मौत

- शादी समारोह से लौट रहे थे दो परिवार

झाबुआ. मध्यप्रदेश के झाबुआ में मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात सीमेंट से भरा ट्रॉले ने पहले ईको वैन को टक्कर मारी, फिर घसीटते हुए ले गया और वैन पर पलट गया। वैन सवार 9 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। 5 साल के बच्चे समेत दो गंभीर घायल हैं। हादसा भावपुरा गांव के पास कल्याणपुरा में हुआ। इनमें 4 बच्चे, 3 महिलाएं और 2 पुरुष शामिल हैं। ट्रॉला चालक मौके से फरार हो गया है। मृतकों में मुकेश खपेड़ (40), उनकी पत्नी सावली (35), बेटा विनोद (16), बेटी पायल (12), मढ़ी बमनिया (38), विजय बामनीय (14), कांता बमनिया (14), रागिनी बमनिया (9) और अकली परमार (35) शामिल हैं। हादसे में पायल परमार (19) और 5 वर्षीय आशु बमनिया घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, वैन में सवार सभी लोग मेघनगर तहसील के शिवगढ़ महुड़ा के रहने वाले थे। थांदला और मेघनगर पुलिस टीम एम्बुलेंस के साथ मौके पर पहुंची। घायलों और मृतकों को थांदला सिविल अस्पताल और मेघनगर अस्पताल ले जाया गया।

सिक्किम के लाचेन में 83 टूरिस्ट फंसे, 6 लापता

- मिजोरम में 11 दिन में 626 लैंडस्लाइड, 5 की मौत

नई दिल्ली. नॉर्थ-ईस्ट के राज्यों में पिछले दो हफ्तों से भारी बारिश लगातार जारी है। बाढ़ और लैंडस्लाइड के कारण लाखों लोग प्रभावित हैं। सिक्किम के लाचेन में मंगलवार को भारतीय सेना ने विदेशी नागरिकों सहित 30 टूरिस्ट को एयरलिफ्ट करके रेस्क्यू किया। 83 लोग अब भी फंसे हैं। 6 लोग लापता है, जिनकी तलाश की जा रही है।

मिजोरम में सरकार ने टूरिस्ट्स के लिए एडवाइजरी जारी की है। लोगों से 13 जून तक राज्य में आने से बचने की अपील की गई है। राज्य में 24 मई से तेज बारिश जारी है। तब से 3 जून तक, 11 दिनों में मिजोरम में 626 लैंडस्लाइड की घटनाएं हुई हैं। इसमें 5 लोगों की मौत हो गई है।

असम में मंगलवार को बाढ़ से 6 और लोगों की मौत हो गई। यहां लैंडस्लाइड-बाढ़ में मरने वालों आंकड़ा 17 पहुंच गया है। राज्य के 21 जिले के 6.5 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। 7 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

उल्हासनगर महानगरपालिका

उल्हासनगर महानगरपालिका अख्यत्यारीत इच्छुक विधी प्रशिक्षणार्थी बी. एल. एस. अंतिम वर्षात असणारे तसेच बी. एल. एस. चे 4 वर्ष पूर्ण यांची वॉक ईन ईटरव्हिव (थेट मुलाखत) द्वारे प्रशिक्षणार्थी यांची तात्पुरत्या स्वरूपात 6 महिने कालावधी करीता Internship मध्ये मुलाखतीस हजर राहण्यासाठीची जाहिरात महानगरपालिकेच्या www.umc.gov.in या संकेतस्थळावर दिनांक 05/06/2025 रोजी प्रसिध्द करण्यात आली आहे. सदर जाहिरातीमध्ये दिनांक व वेळ तसेच अटी व शर्ती नमुद करुन दिलेल्या असून थेट मुलाखतीस येण्यासाठी सकाळी 10.00 वाजता सर्व प्रमाणपत्राच्या मुळप्रति व अर्जाच्या विहित नमुन्यासह उल्हासनगर महानगरपालिका, उल्हासनगर-3 येथे उपस्थित राहावयाचे आहे.

तरी सदर दिवशी व वेळी आपण कृपया उपस्थित रहावे.

मा. आयुक्त यांचे मान्यतेने,

सही/-
(डॉ. दिपाली चौगले)
उप-आयुक्त (विधी)
उल्हासनगर महानगरपालिका

जा.क्र. उमपा / पीआरओ/138/2025
दिनांक :- 04/06/2025

संक्षेप...

एनएमएमटी डिपो में आग लगने से कई बसें जलकर खाक

नवी मुंबई। बुधवार सुबह नवी मुंबई के घनसोली बस डिपो में आग लगने की वजह से कम से कम पांच बसें जल गईं, जिनमें इलेक्ट्रिक और डीजल दोनों बसें शामिल हैं। इससे इलेक्ट्रिक वाहनों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं फिर से बढ़ गई हैं। इलेक्ट्रिक बस में मरम्मत कार्य के दौरान शॉर्ट सर्किट से आग लगने का संदेह है। इससे परिवहन विभाग को भारी वित्तीय नुकसान हुआ है।

मुंबई में फ्लैट, बिहार में बंगला... पुलिस ने पकड़ा 'अमीर चोर'

चोरी का तरीका ऐसा, कोई शक न करता

मुंबई. कोई चोरी करके कितना कमा सकता है? आप अनुमान लगाते रहिए. तब तक हम आपको एक चोर के पास से बरामद किए गए सामानों की लिस्ट बता देते हैं. सोना पिघलाने वाली भट्टी, 35 लाख रुपये कीमत का सोना, चांदी के जेवर, महिलाओं के कपड़े और भारी मात्रा में नकदी. इन सब की कुल क़ीमत 57 लाख रुपये. पुलिस ने ये भी दावा किया है कि चोर मुंबई में एक फ़्लैट और बिहार में एक बंगला और खेती की ज़मीन का भी मालिक है.

3 जून को इस 'अमीर चोर' को मुंबई से गिरफ़्तार किया गया है. उसकी पहचान रंजीत कुमार उर्फ मुन्ना के रूप में हुई है. आरोप है कि ये सब उसने कई सालों में की गई चोरी से इकट्ठा किया है. मुंबई पुलिस के मुताबिक़, रंजीत कई सालों से मुंबई के पॉश इलाकों में चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहा था.

रपटें बताती हैं कि चोरी के वक़्त रंजीत महिला के कपड़े पहनता था. इससे वो अपनी असली पहचान छिपाकर, पुलिस और आसपास लगे सीसीटीवी

कैमरों से बच निकलने में कामयाब रहता. इंडिया टुडे की ख़बर के मुताबिक़, चोर रंजीत साड़ी, सलवार-कमीज और बुर्का जैसे महिलाओं के कपड़े पहनता था और अपना चेहरा ढक लेता था.

रंजीत ने महिलाओं की चाल और हाव-भाव भी सीख लिए थे. रंजीत कपड़े बदलने और महिला की तरह कपड़े पहनने के लिए रेलवे पटरियों के पास एक सुनसान जगह पर जाता था.

कैसे पकड़ा गया चोर

मलाड डिवीजन के एडिशनल पुलिस कमिश्नर (ACP) हेमंत सावंत ने बताया कि मुंबई की हाई-एंड सोसाइटियों में चोरी की कई रिपोर्ट दर्ज कराई गई थीं. 17 मार्च को मलाड की एक हाउसिंग सोसाइटी में ऐसा ही मामला सामने आया. इसके बाद से ही पुलिस रंजीत कुमार को तलाश कर रही थी. इस दौरान पुलिस ने 150 से ज़्यादा सीसीटीवी कैमरों के फ़ुटेज देखे. रंजीत को रंगे हाथों पकड़ने के लिए एक जाल बिछाया था.

ACP हेमंत सावंत के मुताबिक़, पूछताछ के दौरान रंजीत ने बताया कि उसने चोरी का सामान कहां रखा है. उसके घर की तलाशी ली गई. इस दौरान पुलिस को सोना पिघलाने वाली भट्टी, 35 लाख रुपये कीमत का सोना, चांदी के जेवर, महिलाओं के कपड़े और भारी मात्रा में नकदी बरामद की.

ये भी पता चला कि उसके पास कई संपत्तियां हैं, जिनमें मुंबई में एक फ्लैट, बिहार में एक बंगला, बिहार में ज़मीन खरीदने के लिए रखे गए 10 लाख रुपये, मुंबई में एक और घर खरीदने के लिए रखे गए 6 लाख रुपये. उसके बैंक अकाउंट में भी 13 लाख रुपये हैं. पुलिस के मुताबिक़, ये सभी संपत्तियां जब्त कर ली गई हैं.

अब तक मुंबई के अलग-अलग पुलिस थानों में उसके ख़िलाफ़ चोरी के कम से कम आठ मामले दर्ज हैं. पुलिस ने शक जताया कि जांच आगे बढ़ने पर और भी कई तार जुड़ेंगे.

एक साल में दो लाख पेड़ लगाने का संकल्प

- पर्यावरण दिवस पर उपमुख्यमंत्री के हरित ठाणे अभियान का शुभारंभ

धर्मेंद्र उपाध्याय

ठाणे. विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ठाणे मनपा ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की संकल्पना के तहत 'ग्रीन ठाणे अभियान' के तहत एक साल में दो लाख पेड़ लगाने का संकल्प लिया है। इस अभियान का शुभारंभ गुरुवार 5 जून को किया जाएगा। इस वृक्षारोपण अभियान में पलास, बेल, नीम, कंचन, सीताअशोक, जामुन, पारिजातक, शीशम, कोकम, शिवन, करंज, अडूलसा, तगर, नींबू कामिनी, बकुल, बांस आदि देशी वृक्ष शामिल हैं।

- समयबद्ध कार्यक्रम

यह अभियान ठाणे और उसके आसपास के क्षेत्र में हरित क्षेत्र को बढ़ाने के लिए उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की संकल्पना के

तहत चलाया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री के हरित ठाणे अभियान की योजना मनपा आयुक्त सौरभ राव के निर्देशानुसार बनाई गई है। इस अभियान के तहत अब तक दो लाख पांच हजार वृक्ष लगाने की विस्तृत योजना बनाई गई है। जिसमें से 18 हजार पांच सौ वृक्ष लगाए जा चुके हैं। जबकि शेष एक लाख छियासी हजार पांच सौ वृक्षों को चरणबद्ध तरीके से लगाने के लिए समयबद्ध कार्यक्रम बनाया गया है।

- वृक्षारोपण में सभी की भागीदारी

इस अभियान में ठाणे में कुल दो लाख पांच हजार वृक्ष लगाए जाएंगे। इसमें मियावाकी पद्धति से 30 हजार, विभिन्न विकासकर्ताओं के माध्यम से 5 हजार, निजी संस्थाओं, विद्यालयों, महाविद्यालयों, सामाजिक संगठनों, आवासीय परिसरों और सरकारी कार्यालयों की सहभागिता से 5 हजार पौधे लगाए जाएंगे। साथ ही अंतिम उपाय के रूप में 10 हजार पौधे लगाए जाएंगे। जिसमें से 5 हजार पौधे लगाए जा चुके हैं।

- अटकोली में बांस का पौधारोपण

इसके साथ ही नगर निगम अटकोली में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन परियोजना के क्षेत्र में बांस की विशेष प्रजाति के 5 हजार पौधे लगाएगा। मनपा क्षेत्रीय वन विभाग और संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान के क्षेत्र में कुल एक लाख 30 हजार पौधे लगाने की योजना बना रहा है। इसमें स्थानीय प्रजाति के 80 हजार पौधे लगाए जाएंगे, जबकि बांस की प्रजाति के 50 हजार पौधे लगाए जाएंगे।

- पिछले साल लगाए गए डेढ़ लाख पेड़

पिछले साल ठाणे मनपा ने इस अभियान में कुल 1 लाख 27 हजार पेड़ लगाए थे। इनमें से ठाणे के सभी वार्डों में 49 हजार 244 पेड़ लगाए गए। नागला बंदर में मियावाकी पद्धति से 1500 पेड़ लगाए गए। साथ ही, 5400 पेड़ मनपा और निजी स्कूल-कॉलेजों में लगाए गए। ठाणे में मेट्रो लाइन के नीचे और अन्य जगहों पर 11 हजार बांस के पेड़ लगाए गए। वहीं, संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान में 60 हजार पेड़ लगाए गए। इसमें से 40 हजार पेड़ पारंपरिक पद्धति से और 20 हजार पेड़ मियावाकी पद्धति से लगाए गए, ऐसा उद्यान अधीक्षक केदार पाटिल ने बताया।

कोलशेत में 20 हजार पेड़ लगाने की योजना

कोलशेत में वायुसेना स्टेशन के क्षेत्र में मियावाकी पद्धति से 20 हजार पेड़ लगाने की योजना मनपा बना रही है।इन पेड़ों को लगाने के लिए गड्ढे खोदना, खाद और मिट्टी भरना, सिंचाई प्रबंधन जैसे प्रारंभिक कार्य अभी प्रगति पर हैं और वास्तविक काम अभी चल रहा है यह वृक्ष अधिकारी राजेश सोनवणे ने बताया।अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए ठाणे मनपा उद्यान और वृक्ष प्राधिकरण विभाग के माध्यम से समन्वय किया जा रहा है। उपायुक्त मधुकर बोडके ने बताया कि इस अभियान में नागरिकों, शैक्षणिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों, गैर सरकारी संगठनों, आवास परिसरों, शिक्षकों, विद्यार्थियों, कर्मचारियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और रक्षा क्षेत्र के विभिन्न संगठनों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है।

बिना मीटर अपडेट वाले 26000 रिक्शा

- प्रतिदिन 50 रुपये का लगेगा जुर्माना
- केवल 66 प्रतिशत ने ही अपने मीटर को रीकैलिब्रेट किया

ठाणे. रिक्शा किराया वृद्धि को चार महीने बीत चुके हैं लेकिन ठाणे में हजारों रिक्शा के मीटर अभी भी अपडेट नहीं हुए हैं। अब ऐसे रिक्शा पर प्रतिदिन 50 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार ठाणे में लगभग 77500 अधिकृत रिक्शा में से केवल 51371 रिक्शा ने ही मीटर रीकैलिब्रेशन पूरा किया है। शेष 26000 रिक्शा अभी भी अवैध रूप से चार्ज कर रहे हैं।पिछले कुछ महीनों से रिक्शा एसोसिएशन रिक्शा किराए में वृद्धि की मांग कर रहे हैं। रिक्शा किराए में वृद्धि के संबंध में 23 जनवरी मुंबई आरटीओ विभाग की बैठक में निर्णय लिया गया। 1 फरवरी के बाद जब यह दर लागू होगी, तो मीटर टैरिफ में बदलाव करना जरूरी होगा। अधिकांश रिक्शा के इलेक्ट्रॉनिक मीटर पर न्यूनतम

किराया 23 रुपये है और कुछ यात्रियों को दर वृद्धि के बारे में पता नहीं है।दरअसल रिक्शा चालकों को जल्द से जल्द मीटर टैरिफ बदलने की जरूरत थी। हजारों रिक्शा ने अभी तक अपने मीटर को रीकैलिब्रेट नहीं किया है। इसलिए उन्हें दंडात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा ऐसा उप आरटीओ अधिकारी रोहित काटकर ने बताया।ठाणे आरटीओ कार्यालय में पंजीकरण के अनुसार 77500 अधिकृत रिक्शा चल रहे हैं जिनमें से लगभग 51371 रिक्शा ने अपने मीटर को रीकैलिब्रेट किया है। यह पता चला है कि 26000 से अधिक रिक्शा ने अभी तक अपने मीटर को रीकैलिब्रेट नहीं किया है।

रिक्शा मीटर रीकैलिब्रेशन की समय सीमा खत्म

रिक्शा मीटर रीकैलिब्रेशन की समय सीमा 30 अप्रैल थी। परिवहन विभाग ने समय सीमा बढ़ाकर 31 मई 2025 कर दी। कई रिक्शा चालक अभी भी इस पर आंख मूंद रहे हैं। अब ऐसे रिक्शा वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। प्रतिदिन 50 रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा।

–हेमांगिनी पाटिल, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ठाणे

मनपा का लोकशाही दिवस 7 जुलाई को

23 जून से पहले आवेदन पत्र देने के लिए नागरिकों से किया आवाहन

उल्हास विकास संवाददाता

ठाणे. मनपा का अगला लोकशाही दिवस 7 जुलाई को आयोजित किया गया है।मनपा ने नागरिकों से 15 दिन यानी 23 जून से पहले अपने आवेदन पत्र दो प्रतियों में मनपा मुख्यालय स्थित सुविधा केंद्र में जमा करें।यह आवेदन पत्र जमा करते समय, आवेदक को प्रत्येक आवेदन पत्र के साथ फॉर्म-1 (बी) जमा करना होगा। फॉर्म-1 (बी) शहरी सुविधा केंद्र पर उपलब्ध है।

महाराष्ट्र सरकार सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी परिपत्र क्रमांक प्रसुधा-1099,सीआर-23/98/18-ए दिनांक 26 सितंबर 2012 के अनुसार यह स्पष्ट किया गया है कि दिसंबर 2012 से लोकशाही दिवस पर नागरिकों के आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किए जाएंगे, लेकिन इस आवेदन की दो

प्रतियां लोकशाही दिवस से 15 दिन पहले मनपा कार्यालय में जमा करनी होंगी।

मुख्यालय में होने वाले इस लोकशाही दिवस में नागरिक जिन्होंने जिला लोकशाही दिवस में अपने आवेदन पत्र जमा किए हैं, साथ ही वह आवेदन जिन पर एक महीने से कोई कार्रवाई नहीं हुई है, स्वीकार किए जाएंगे।मनपा मुख्यालय में होने वाले लोकशाही दिवस में आवेदन पत्र जमा करते समय जिला लोकशाही दिवस में प्राप्त टोकन नंबर का उल्लेख करना आवश्यक है।आवेदक को एक आवेदन में एक ही शिकायत जमा करनी चाहिए, एक से अधिक शिकायत वाला आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसी प्रकार यह भी ध्यान रखना होगा कि स्थापना संबंधी मामले, विभिन्न न्यायालय, लोकायुक्त के पास लंबित मामले, सूचना के अधिकार के दायरे में आने वाले मामले, साथ ही किसी राजनीतिक दल,जनप्रतिनिधियों के लेटरहेड पर आवेदन, जिस पर अंतिम जवाब दिया जा चुका है या दिया जाएगा, ऐसे आवेदन तब तक स्वीकार नहीं किए जाएंगे, जब तक कि शिकायत व्यक्तिगत प्रकृति की न हो।

आज खुलेगा वाशी खाड़ी का तीसरा ब्रिज

- सीएम फडणवीस करेंगे उद्घाटन

मुंबई: सायन पनवेल हाइवे से गुजरने वाले वाहनों की राह गुरुवार से आसान होनी वाली है। यात्रियों की राह आसान बनाने के लिए महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम (एमएसआरडीसी) ने 5 जून से ठाणे खाड़ी पर बने तीसरे ब्रिज को वाहनों के लिए खुलने का निर्णय लिया है। दरअसल खाड़ी पर बने तीसरे ब्रिज का निर्माण कार्य एक से डेढ़ महीने पहले ही हो चुका था। लेकिन सरकार की तरफ से हरी झंडी नहीं मिलने के कारण ब्रिज के उद्घाटन समारोह का मुहूर्त नहीं निकल पा रहा था।

ऑनलाइन तरीके से ब्रिज का उद्घाटनअब एमएसआरडीसी ने 5 जून को ब्रिज का उद्घाटन करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ऑनलाइन तरीके से ब्रिज का उद्घाटन करेंगे।

5 जून को ही मुंबई से नागपुर के बीच बने समृद्धि महामार्ग के अंतिम फेज का भी उद्घाटन होने वाला है। जानकारी के अनुसार, इगतपुरी में इगतपुरी से ठाणे तक बने समृद्धि के अंतिम फेज के तहत तैयार 76 किमी के मार्ग के उद्घटन के दौरान मुख्यमंत्री ऑनलाइन तरीके से ठाणे खाड़ी ब्रिज-3 का उद्घाटन करेंगे।

किनको होगा फायदा?

सायन पनवेल हाइवे से मुंबई से नई मुंबई और पुणे की दिशा में आने जाने वाली गाड़ियां गुजरती हैं। पिछले कुछ सालों में हाइवे पर ट्रैफिक की समस्या बढ़ी है। हाइवे पर बढ़ते ट्रैफिक को ध्यान में रखते हुए सायन-पनवेल हाइवे के ठाणे खाड़ी पर दो अतिरिक्त ब्रिज का निर्माण कर रही है। मुंबई से पनवेल की दिशा का ब्रिज पहले ही वाहनों के लिए खोल दिया गया है। जबकि पनवेल से मुंबई (ठाणे खाड़ी ब्रिज-3) की दिशा में ब्रिज गुरुवार को वाहनों के लिए खुलेगा।

ट्रैफिक जाम से मिलेगी राहत

मौजूदा समय में एक दिशा का नया ब्रिज खुल जाने से मुंबई से पनवेल की दिशा से गाड़ियां बगैर ट्रैफिक जाम में फंस कर मुंबई में पहुंच रही है। वहीं पनवेल से मुंबई की तरफ आने वाली गाड़ियों को ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन ब्रिज के खुल जाने से उनकी भी राह 5 जून से आसान हो जाएगी।

टैक्सी से 6.89 लाख रुपये का गांजा जब्त, 4 गिरफ्तार

ठाणे. ठाणे जिले में एक टैक्सी से 6.89 लाख रुपये मूल्य का 34 किलोग्राम गांजा जब्त किया है और इस सिलसिले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है. इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने एक न्यूज एजेंसी को दी. पुलिस के मुताबिक एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए 29 मई को मीरा गांवठाण क्षेत्र के महाजनवाड़ी में तीन व्यक्तियों को ले जा रही टैक्सी को रोका गया.

मीरा भयंदर-वसई विरार पुलिस के सहायक पुलिस आयुक्त डॉ. विजयकुमार मराठे ने कहा, वाहन की गहन तलाशी में 34.484 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ. पुलिस के अनुसार जब्त किए गए प्रतिबंधित पदार्थ की कीमत अवैध बाजार में 689680 रुपये आंकी गई है.

अधिकारी ने बताया कि टैक्सी के चालक समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है.

'द इंडिया स्टोरी' के जरिए सोलो हीरो में वापसी

- श्रेयस तलपड़े बोले- दर्शक मेरा एक अलग रूप देखेंगे

श्रेयस तलपड़े हाल ही में हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'कपकपी' में नजर आए हैं। इस फिल्म में उनकी और तुषार कपूर के बीच अच्छी बॉन्डिंग देखने को मिली है। श्रेयस 'हाउसफुल 5' भी आने वाली है। हाल ही में एक बातचीत के दौरान श्रेयस ने फिल्म की शूटिंग के अनुभव और भविष्य की योजनाओं पर खुलकर बात की।

फिल्म 'कपकपी' की तुलना 'स्त्री' से होने पर श्रेयस ने बताया कि यह तो होता ही रहता है। 'स्त्री' का कंपैरिजन किसी और से हुआ था। अब रेफरेंस के लिए कहीं न कहीं यह चीजें तो होती ही रहेंगी। मुझे लगता है हर फिल्म की एक अपनी आइडेंटिटी होती है, डेस्टिनी होती है।

फिल्म 'कपकपी' में तुषार कपूर के साथ फिर से काम करने को लेकर श्रेयस ने कहा कि तुषार के साथ शूट करना हमेशा ही अच्छा लगता है। वह मेरे दोस्त हैं। हम उम्र भी हैं और साथ में पहले बहुत सारा काम कर चुके हैं सो एक कंफर्ट लेवल है काम करने का। इस बार दोनों के रोल बड़े अलग थे। तुषार का तो बहुत जबरदस्त रोल है।

बायोपिक हिंदी में अभी तक तो नहीं है, मराठी में एक दो बायोपिक पर काम चल रहा है। अच्छा स्क्रिप्ट स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है। बाकी अटल बिहारी वाजपेयी जी के रोल के लिए लोगों का जो प्यार मिला। उसके लिए आभारी हूं। मेरी कोशिश थी कि उस फिल्म में जितना रोल मिला, जितनी स्क्रीन स्पेस मिला, उसे बतौर अटल शिद्दत से प्ले करूं और मैंने किया भी।

एक फिल्म है जिसका नाम है ''द इंडिया स्टोरी' जिसमें मैं हूं और काजल अग्रवाल है। वह फिल्म भी तैयार हो रही है। अगले साल तक रिलीज भी होगी। उसमें दर्शक मेरा एक अलग तरह का रूप देखेंगे।

वाराला तालाब की सफाई पर जरूरी -संतोष शेट्टी

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. वाराला तालाब में व्याप्त गंदगी और दुर्गंध से नागरिकों की समस्याएं बढ़ रही हैं. जनहित से जुड़े गंभीर मुद्दे को लेकर महानगरपालिका स्थायी समिति पूर्व वरिष्ठ सदस्य संतोष एम.शेट्टी ने प्रशासक, आयुक्त अनमोल सागर को पत्र लिखकर तालाब की सफाई की मांग की है.लिखितपत्र में बताया गया है कि,मनपा वार्ड क्रमांक 17 अंतर्गत वाराला तालाब वर्षों से साफ-सफाई और देखरेख तालाब से नित्य 2.0 एम.एल.डी.पानी नागरिकों के लिए सप्लाई किया जाता है.तालाब की सफाई न होने से पानी का रंग हरा हो चुका है.तालाब की सफाई न होने से जलप्रदूषण और दुर्गंध की स्थिति गंभीर होती जा रही है. प्रदूषण युक्त पानी पीने से नागरिकों में अनेक बीमारियां से संक्रमित होने की संभावनाएं है. शेट्टी ने अपने पत्र में प्रशासन से मांग की है कि तालाब की नियमित सफाई, कीटनाशक दवाओं का छिड़काव और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के लिए जरूरी कदम तत्काल उठाए जाएं.उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन द्वारा समय रहते कोई कार्रवाई नहीं की गई, तो स्थिति और भी भयावह हो सकती है.

ठाणे जिले में कैंसर जांच एवं जागरूकता अभियान

- 4490 नागरिकों की हुई जांच
- 237 संदिग्ध रोगियों का पंजीकरण किया गया

ठाणे. जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक कुशल गुणवत्तापूर्ण व सुलभ बनाने के उद्देश्य से सरकार कैंसर जांच और जागरूकता अभियान चला रही है। इस पहल के तहत जिले में कैंसर मोबाइल वैन के माध्यम से

नागरिकों को कैंसर जांच की सुविधा प्रदान की जा रही है।जिलाधिकारी अशोक शिनगारे व जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे के मार्गदर्शन में इस वैन का प्रभावी संचालन किया जा रहा है।जिला शल्य चिकित्सक डॉ. कैलाश पवार और जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गंगाधर परगे द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार इस मोबाइल वैन के माध्यम से मुख कैंसर, स्तन कैंसर और गर्भाशय कैंसर,मुख कैंसर की जांच की जा रही है। यह वैन आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है और ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों के नागरिकों को प्राथमिक जांच के लिए अस्पताल जाए बिना ही अपने इलाके में यह सेवा प्राप्त हो जाती है। फरवरी 2025 और मई 2025 की दो महीने की अवधि के दौरान कुल 4490 नागरिकों की जांच की गई है जिनमें से 237 संदिग्ध रोगी मिले हैं। इन संदिग्ध रोगियों को आगे के जांच और उपचार के लिए संबंधित स्वास्थ्य संस्थानों में भेजा गया है। कैंसर एक भयानक रोग है और इसके मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है।यदि समय पर इसका इलाज हो जाए तो उचित उपचार के माध्यम से रोगी की जान बचाई जा सकती है। इसके लिए कैंसर मोबाइल वैन पहल बहुत उपयोगी साबित हो रही है।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099